राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 40 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,10 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

आज मैं ऊपर, आसमां है नीचे...आज मैं आगे, जमाना है पीछे... स्वदेश लौटे चैंपियंस

बजरंग पुनिया

महिला हॉकी टीम

देश लौटने पर बोले नीरज चोपड़ा

रवि दहिया

लवलीना बोरगोहेन

पीआरश्रीजेश

अगले ओलंपिक में हम और भी मेडल जीतकर लाएंगे

सोमवार को भारतीय ओलंपिक मेडल विजेता टोक्यो से स्वदेश लौटे। दिल्ली एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए बाकायदा बैंड बजाए गए। भारत माता की जय और वंदे मातरम, जय हिंद के जयघोष के साथ सभी का स्वागत किया गया। ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे तो खेल मंत्री सहित कई खेलप्रेमियों ने उनकी अगवानी की। इसके बाद होटल अशोक में सभी ओलंपिक विजेताओं का सम्मान हुआ। (खबर- खेल पेज पर)

अब राज्य सरकारों को मिलेगा ओबीसी लिस्ट तैयार करने का अधिकार

विपक्ष के समर्थन के साथ लोकसभा में ओबीसी संशोधन बिल पारित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार द्वारा सोमवार को लोकसभा में संविधान संशोधन बिल पारित कर दिया गया है। सरकार ने सोमवार को इस बिल को लोकसभा में पेश कर दिया। लोकसभा से हरी झंडी मिलते ही इसे राज्यसभा में पेश किया जा सकता है। इस बिल को विपक्ष का भी समर्थन मिल चुका है। इस बिल के तहत राज्यों को भी ओबीसी लिस्ट तैयार करने का अधिकार मिलेगा।

कांग्रेस समेत विपक्ष के 15 दलों ने सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले इस बिल का समर्थन किया है। सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी दलों ने साझा बैठक की, जिसमें इस बिल को समर्थन देने का फैसला लिया गया। इससे पहले कांग्रेस समेत 15 प्रमुख विपक्षी दलों ने संसद के मानसून सत्र के आखिरी पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही सोमवार को बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की और यह फैसला किया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित संशोधन विधेयक पर चर्चा में वे भाग लेंगे और इसे पारित कराने में पूरा समर्थन देंगे। बैठक के बाद राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि इस संशोधन विधेयक का हम सभी समर्थन करेंगे। हमारी मांग है कि इस बिल को पेश किया जाए।

- न्यायाधिकरण विधेयक राज्यसभा में हंगामे के बीच पारित
- केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2021 राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित

भाजपा का व्हिप

भाजपा ने संसद के दोनों सदनों में अपने सदस्यों के लिए मंगलवार एवं बुधवार के लिए व्हिप जारी किया है। लोकसभा के सदस्यों के लिए मंगलवार तथा राज्यसभा के सदस्यों के लिए मंगलवार एवं बुधवार का व्हिप जारी किया है।

एनएसओ ग्रुप से कोई लेन-देन नहीं: केंद्र

पेगासस जासूसी विवाद के बीच सरकार ने सोमवार को कहा कि उसने एनएसओ समूह के साथ कोई लेन-देन नहीं किया है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। उनसे सवाल किया गया था कि क्या सरकार ने एनएसओ ग्रुप टैक्नॉलोजीस के साथ कोई लेन-देन किया था। भट्ट ने इसके जवाब में कहा कि रक्षा मंत्रालय ने एनएसओ ग्रुप टेक्नॉलोजीज के साथ कोई लेन-देन नहीं किया है। सरकार का जवाब ऐसे समय में आया है जब विपक्ष पेगागस समेत अन्य मुद्दों को लेकर पर संसद के मानसून सत्र में लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है। कांग्रेस, आप, आरजेडी, डीएमके जैसे पार्टियां लगातार पेगासस जासूसी कांड को लेकर सदन में चर्चा कराने की मांग कर रही हैं।

पेगासस मामला

पहली बार दिवंगतों को श्रद्धांजलि देने से पहले ही सदन में विपक्ष का हंगामा

विधानसभा सत्र पहला दिन

भोपाल, (एजेंसी)। मप्र विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होते ही हंगामेदार हो गया। सदन में सोमवार को दिवंगत तीन आदिवासी नेताओं सहित अन्य पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि दी जानी थी पर इससे पहले ही सदन में अप्रत्याशित घटनाक्रम के तहत आदिवासियों के नाम पर कांग्रेस मैदान में उतर गई। इससे सदन समवेत होते ही शोरगुल में डूब गया।

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर अवकाश घोषित नहीं करने को लेकर सदन से वाकआउट कर दिया। बाद में श्रद्धांजलि देने के दौरान भी जमकर नोक - झोंक और हंगामे की स्थिति बनी। इस तरह का नजारा सदन में पहली बार बना। सदन समवेत होते ही कांग्रेसी सदस्यों ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीयआदिवासी दिवस के मौके पर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अवकाश घोषित किया था, जिसे समाप्त कर दिया गया है। यह आदिवासियों का अपमान है। विपक्षी सदस्य अपनी सीटों से खड़े होकर अध्यक्ष की आसंदी के सामने आ गए और नारेबाजी करने लगे। इसका सत्ताधारी दल के सदस्यों ने जमकर विरोध किया, जिससे सदन में शोरगुल की स्थिति बन गई। आसंदी पर मौजूद सभापति यशपाल सिंह सिसोदिया ने कार्यसूची के हिसाब से सदन की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए राष्ट्रगीत वंदेमातरम के गायन के बाद दिवंगत नेताओं का उल्लेख किया। (शेष-पेज 4 पर)

- विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होते ही घटा अप्रत्याशित घटनाक्रम
- श्रद्धांजलि से पहले सदन में आदिवासियों को लेकर वाकयुद्ध
- विपक्षी दल कांग्रेस ने अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर अवकाश घोषित नहीं करने पर किया वाकआउट

भाजपा नेता हो सकते हैं गिरफ्तार

विवादित नारेबाजी का मामला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में विवादित नारेबाजी करने के मामले में बीजेपी के पूर्व प्रवक्ता अश्विनी उपाध्याय और अन्य नेताओं को गिरफ्तार किया जा सकता है।

दिल्ली पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। पुलिस ने कहा कि कानून के मुताबिक इस मामले में कार्रवाई की जा रही है। किसी भी सांप्रदायिक विद्वेष को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बता दें कि राष्ट्रीय सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरस हो रहा है जिसमें जंतर-मंतर पर एक प्रदर्शन में मुस्लिम विरोधी नारेबाजी हो रही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। हालांकि उपाध्याय ने मुस्लिम विरोधी नारेबाजी की घटना में किसी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि मैंने वायरल हो रहे वीडियो की जांच के लिए दिल्ली पुलिस को एक शिकायत दी है।

टिफिन बॉक्स बम मिलने के बाद पंजाब में हाई अलर्ट

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने सोमवार को कहा कि अमृतसर के एक गांव से दो किलो से ज्यादा आरडीएक्स विस्फोटक के साथ एक टिफिन बॉक्स बम मिलने के बाद राज्य में हाई अलर्ट कर दिया गया है।

यह बम संभवतः पाकिस्तान से उड़ाए गए ड्रोन के जरिये गिराया गया था। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिनकर गुप्ता ने कहा कि बम में रिमोट कंट्रोल या टाइमर के जरिये धमाका किया जा सकता था। गुप्ता ने संवाददाताओं को बताय कि टिफिन बॉक्स बम को संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) कहा जा सकता है।

नीरव को मिली प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील की मंजूरी

लंदन ■ एजेंसी

ब्रिटिश हाईकोर्ट ने सोमवार को नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील करने मंजूरी दे दी। यह फैसला नीरव मोदी के मानसिक स्वास्थ्य के आधार पर दिया गया है। इसके साथ ही भगोड़े नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण की कोशिशों को झटका लगा है।

पिछले महीने नीरव के वकील ने उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील दायर की थी। इसमें वकील ने तर्क दिया था कि अगर नीरव मोदी का भारत प्रत्यर्पण किया जाता है तो उसके मानसिक स्वास्थ्य पर इसका गंभीर असर पड़ सकता है। साथ ही उनमें सुसाइडल टेंडेंसी डेवलप हो सकती है। हालांकि मामले में भारत का पक्ष रख रही इंग्लैंड की क्राउन प्रॉसीक्यूशन सर्विस ने नीरव मोदी की आशंकाओं को निराधार बताते हुए जज से अपील निरस्त करने की मांग की थी।

दिल्ली के 80 फीसदी नमूनों में मिला डेल्टा

घातक वैरिएंट डेल्टा ने बढ़ाई चिंता, स्वास्थ्य विभाग ने बैठक में साझा किए आंकड़े

नई दिल्ली ■ एजेंसी

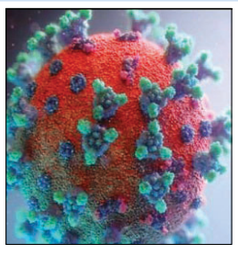

देश में कोरोना वायरस का प्रकोप बरकरार है। वहीं अब डेल्टा वैरिएंट ने चिंता बढ़ा दी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन महीनों में दिल्ली सरकार द्वारा जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे गए नमूनों में से कम से कम 80 प्रतिशत नमूनों में कोरोनावायरस के डेल्टा संस्करण का पता चला है।

राजधानी के लिए कोविड प्रबंधन नीतियां तैयार करने वाले दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की एक बैठक में स्वास्थ्य विभाग ने साझा किया कि दिल्ली में जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए जुलाई में भेजे गए 83.3 प्रतिशत नमूनों में डेल्टा संस्करण (बी.1.617.2) का पता चला है। जबकि मई और जून में क्रमशः 81.7 प्रतिशत और 88.6 प्रतिशत नमूनों में वैरिएंट पाया गया।अप्रैल में 53.9 फीसदी सैंपल में यह मिला था। डेटा से यह भी पता चला है कि अब तक राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) में संसाधित दिल्ली के 5,752 नमूनों में से 1,689 में डेल्टा संस्करण पाया गया है। 947 नमूनों में अल्फा संस्करण (बी.1.1.7) का पता चला है। डेल्टा संस्करण की भारत में दिसंबर 2020 में पहचान की गई थी और बाद में 95 से अधिक देशों में इसका पता चला है। यह प्रमुख रूप से घातक दूसरी कोविड लहर के लिए जिम्मेदार था जिसने देश में लाखों लोगों को संक्रमित किया और हजारों लोगों की जान ली।

24 घंटे में 25,799 मामले, 350 लोगों की मौत

देश में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप बरकरार है। हालांकि बीते दिन कोरोना के मामलों में नौ फीसदी की कमी आई है। पिछले 24 घंटे में 25,8799 मामले सामने आए और 350 लोगों की मौत हुई है। अब कोरोना से होने वाली मौतों का कुल आंकड़ा 4,28,689 हो गया है। वहीं पिछले 24 घंटे में कोरोना के 39,503 मरीज ठीक हुए, जिससे ठीक होने वाले मरीजों की कुल संख्या 3,11,71,429 हो गई है। रिकवरी रेट 97.40 फीसदी है। पिछले 14 दिनों से यह तीन फीसदी से नीचे है। भारत में रविवार को संक्रमितों के लिए 13,71,871 सैंपल टेस्ट किए गए। तक कुल 48,17,67,232 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। वहीं पिछले 24 घंटे में वैक्सीन की 16,11,590 डोज दी गई।

जम्मू में आतंकियों ने भाजपा नेता व उनकी पत्नी को गोली मारी

एलजी ने बताया कायराना हरकत

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में सोमवार को आतंकियों द्वारा बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया। शहर के लाल चौक पर आतंकियों ने भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष गुलाम रसूल डार और उनकी पत्नी पर फायरिंग कर दी। दोनों को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

भाजपा सरपंच गुलाम रसूल डार और उनकी पंच पत्नी जवाहर बेगम की हत्या को लेकर उनके निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) को निलंबित कर दिया है। वहीं उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा-ये कायराना हरकत है। दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। वहीं उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, भाजपा नेता अल्ताफ ठाकुर सहित कई नेताओं ने अनंतनाग आतंकी हमले में गुलाम रसूल डार और उनकी पत्नी की हत्या की कड़ी निंदा की है।

हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकी गिरफ्तार

स्वतंत्रता दिवस से पहले जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुरक्षा बलों ने सोमवार को हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही जम्मू क्षेत्र में आतंकियों के ठिकाने से बड़े पैमाने पर हथियार और कारतूस बरामद कर एक बड़ी आतंकी गतिविधि को टाल दिया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। प्रदेश के किश्तवाड़, पुंछ, रजौरी, साम्बा और जम्मू जिलों में पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से तलाश अभियान चलाया था, इसी दौरान यह सफलता मिली है।

29 को अयोध्या में कोविंद करेंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या, (एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 29 अगस्त को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला का दर्शन और पूजन करेंगे।

विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कारसेवकपुरम में बताया कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अयोध्या का आगमन 29 अगस्त को हो रहा है। श्री कोविंद के अयोध्या अगमन को लेकर यहां के संत-धर्माचार्यों में खुशी की लहर है। अयोध्या में विराजमान श्रीरामजन्मभूमि पर दर्शन करने के लिए पहली बार यहां आ रहे राष्टपति रामनाथ कोविंद का अयोध्यावासी पलक पांवड़े बिछाकर अभिनंदन करेंगे। प्रभु श्रीरामलला के चरणों में रामभक्त रामनाथ कोविंद जैसा नाम वैसा ही उनका कार्य भी है। इसके पहले पिछले वर्ष पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अयोध्या आगमन व प्रभु श्रीरामलला के जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन करना भी अयोध्यावासियों के लिए ही नहीं सम्पर्ण देश के लिए सखद रहा।

विहिप प्रांतीय मीडिया प्रभारी ने बताया

यूएनएससी बैठक समुद्री सुरक्षा व समन्वय के लिए नया वैश्विक ढांचा बनाने पर जोर

समुद्री सुरक्षा हमारी साझी धरोहर: मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी)में भारत बतौर अध्यक्ष पहली बार अगुवाई कर रहा है और इस अवसर पर भारत की ओर से पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक की अगवानी की और देश को गर्व करने का मौका दिया।

पीएम ने समुद्र को अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि हमारी इस साझी धरोहर के वातावरण एवं संसाधनों की रक्षा करना हम सबके भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोदी ने यूएनएससी में समुद्री सुरक्षा पर एक उच्च स्तरीय खली बहस की अध्यक्षता करते हए यह बात कही।

पीएम मोदी के पंचशील सिद्धांत

1. समुद्री कारोबार की रुकावटें खत्म करें, नाविकों के अधिकारों का सम्मान करें
2. सभी विवादों का समाधान अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर होना चाहिए
3. प्राकृतिक आपदाओं और नॉन स्टेट एक्टर्स की चुनौतियों से मिलकर लड़ें
4. समुद्र के पर्यावरण और रिसोर्स को संजोकर रखना होगा
5. जिम्मेदार समुद्री संपर्क को प्रोत्साहन दें, इसके लिए ग्लोबल नॉर्म्स बनाएं

खाद्य तेल में आत्म निर्भर बनने तेजी से काम करना होंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को खाद्य तेल के मामले में आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि इसके लिए हमें तेजी से काम करना है। श्री मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देश के लगभग 10 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 19 हजार 500 करोड़ रुपए से भी अधिक रकम उनके खाते में ट्रांसफर करने के बाद कहा कि खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता के लिए अब राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम का संकल्प लिया गया है। इस मिशन के माध्यम से खाने के तेल से जुड़े इकोसिस्टम पर 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जाएगा।

असम विधानसभा में विपक्ष ने किया सदन से बर्हिगमन

मेघालय के अतिक्रमण का विरोध

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम विधानसभा में सोमवार को विपक्ष ने मेघालय की ओर से कथित रूप से भूमि अतिक्रमण किए जाने पर जबरदस्त हंगामा किया तथा कांग्रेस की ओर से पेश कार्यस्थगन प्रस्ताव को पेश करने से अध्यक्ष के इंकार के बाद एकजुट विपक्ष ने सदन से बर्हिगमन किया।

सदन में प्रश्नकाल समाप्त होने के तुरंत बाद कांग्रेस विधायक नुरूल हुदा ने कार्यस्थगन प्रस्ताव स्वीकार करने की मांग की थी। श्री हडा ने समाचार पत्रों की रिपोर्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि मेघालय असम के कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में गुवाहाटी के खानापारा इलाके में ड्रोन का उपयोग कर सीमा सर्वेक्षण कर रहा है। उन्होंने तनाव से प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले सर्वदलीय विस प्रतिनिधिमंडल की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देने में सरकार की विफलता पर भी असंतोष व्यक्त किया। मिजोरम से अंतरराज्यीय सीमा पर 26 जुलाई को हिंसक झड़पों में असम की ओर से सात की मौत के बाद इस प्रतिनिधिमंडल का गठन किया गया था।

तालिबान का दबदबा बढ़ा, एक और प्रांत की राजधानी पर कब्जा जमाया

काबुल, (एजेंसी)। अफगानिस्तान में आतंकी समूह तालिबान लगातार अपना दबदबा बढ़ रहा है उसने एक और प्रांतीय राजधानी पर अपना कब्जा जमा लिया है। बीते एक सप्ताह से भी कम समय में विद्रोहियों के हाथों में जाने वाली चौथी प्रांतीय राजधानी है। यह सरकारी बलों के लिए एक झटका है। यह जानकारी प्रांतीय जनप्रतिधियों ने दी। तखार प्रांत के दो जनप्रतिनिधियों ने कहा कि तालिबान लड़ाकों ने रविवार को उत्तरी तखार प्रांत की राजधानी तालेकान पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने कहा कि तालिबान लड़ाकों ने उन अंतिम क्षेत्रों पर भी नियंत्रण कर लिया, जिसे उन्होंने एक महीने की घेराबंदी के बाद नियंत्रित नहीं किया था।

साथ ही तालिबान विद्रोहियों ने रविवार को उत्तरी अफगानिस्तान के कुंदुज प्रांत की राजधानी के अधिकांश हिस्से पर भी नियंत्रण कर लिया। प्रांतीय परिषद के सदस्य गुलाम रबानी रबानी ने बताया कि विद्रोहियों और सरकारी बलों के बीच लड़ाई शहर के हवाई अड्डे और अन्य हिस्सों में चल रही है। कुंदुज रणनीतिक जगह पर स्थित है, जहां से उत्तरी अफगानिस्तान के साथ-साथ लगभग 335 किलोमीटर दूर स्थित राजधानी काबुल तक अच्छी पहुंच है। कुंदुज से प्रांतीय परिषद के एक अन्य सदस्य मोहम्मद युसूफ अयूबी ने भी कहा कि अफगान सेना केवल हवाई अड्डे और मुख्य सेना बैरकों को नियंत्रित करती है और तालिबान उन क्षेत्रों के अलावा कुंदुज के सभी क्षेत्रों को नियंत्रित करता है। एक वीडियो में तालिबान के सफेद झंडे को कुंदुज के मुख्य चौक में एक यातायात पुलिस के बूथ के ऊपर लहराते देखा गया। अयूबी ने कहा, निर्दोष और गरीबों को कुंदुज और देश के अन्य हिस्सों में युद्ध की कीमत चुकानी होगी, सरकारी बल और तालिबान दोनों ही नागरिकों के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा, एक सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता है और दूसरा लोगों की सुरक्षा की परवाह नहीं करता है।

काबुल में अफगान सरकार ने इस बात से इनकार किया है कि उसने उत्तरी शहर गंवा दिया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मीरवाइज स्तानकजई ने कहा कि अफगान सुरक्षा बलों की लड़ाई जारी है और उन्होंने कुंदुज के कुछ इलाकों को तालिबान से पहले ही वापस ले लिया है। उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। अमेरिका और नाटो सैनिकों द्वारा देश से वापसी करने के साथ ही तालिबान के हमले बढ़ गए हैं। अफगान सुरक्षाबलों ने अमेरिका की सहायता से हवाई हमलों से जवाबी कार्रवाई की है। हालांकि लड़ाई ने आम नागरिकों के हताहत होने को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। तालिबान लड़ाके शनिवार को जावजान प्रांत के 10 में से नौ जिलों पर नियंत्रण के बाद इसकी राजधानी में दाखिल हुए। देश की 34 प्रांतीय राजधानियों में से कई को खतरा है क्योंकि तालिबान लड़ाके आश्चर्यजनक गति से अफगानिस्तान के बड़े इलाके को अपने नियंत्रण में करते जा रहे हैं।

इससे पहले पिछले हफ्ते तालिबान लड़ाकों ने दक्षिणी हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह के 10 पुलिस जिलों में से नौ पर कब्जा कर लिया था। वहां भारी लड़ाई जारी है तथा अमेरिका एवं अफगान सरकार के हवाई हमले भी जारी हैं, जिनमें से एक में एक स्वास्थ्य क्लीनिक और हाई स्कूल क्षतिग्रस्त हो गया। रक्षा मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की कि हवाई हमले किए गए लेकिन कहा कि इसमें 54 विद्रोही मारे गए और 23 अन्य घायल हो गए। बयान में किसी क्लिनिक या स्कूल पर बमबारी किये जाने का कोई जिक्र नहीं किया गया। प्रांतीय परिषद के उपाध्यक्ष माजिद अखुंद ने कहा कि जब हमला किया गया उस समय ये इकाइयां तालिबान के कब्जे में थीं।

अफगानिस्तान के कुंदूज में तालिबान और सुरक्षाबलों के बीच हुई भिड़ंत के बाद क्षतिग्रस्त दुकानों को देखते हुए लोग।

लीबिया में एक ऑक्सीजन संयंत्र में सिलेंडरों को भरते हुए कर्मचारी।

अफगानिस्तान में अमेरिकी एयर स्ट्राइक, बी-52 बॉम्बर से 572 तालिबानी ढेर किए

काबुल, (एजेंसी)। जंग का मैदान बने अफगानिस्तान में तालिबान की बढ़ती ताकत के बीच भले ही अमेरिकी सैनिकों की वापसी हो गई है पर अमेरिका किसी भी हालत में तालिबानियों को वाकओवर देने के मूड में नहीं दिख रहा है। अमेरिका के लड़ाकू विमान इ-52 बॉम्बर ने तालिबानी खेमे में तबाही मचा दी है। अफगान सेना के मुताबिक पिछले 24 घंटे में की गई एयर स्ट्राइक में 572 तालिबानी लड़ाके मारे गए हैं। हमले में 309 से ज्यादा तालिबानी घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने एयर स्ट्राइक का वीडियो भी जारी किया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में बी-52 बॉम्बर को तालिबान के ठिकानों पर हमले करते देखा जा सकता है। अफगान सेना के मुताबिक नांगरहार, लघमन, गजनी, पकतिया, पकतिका, कंधार, उरुजगन, हेरात, फारह, जावजान, सार-ए-पुल, फरयाब, हेलमंद, निमरुज, ताखर, कुंदुज, बदाक्शन और कापिसा प्रांत में पिछले 24 घंटे में ऑपरेशन चलाए गए। अमेरिकी लड़ाकू विमान ने कल शाम से ही बम बरसाने शुरू कर दिए थे। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता फवाद अमन ने इसकी पुष्टि करते हुए ट्वीट कर जानकारी दी थी। तालिबानियों ने जावजान की प्रांतीय राजधानी शेबेरगन शहर पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद बी-52 ने तालिबानी ठिकानों पर बम बरसाए। बाद में उन्होंने जानकारी दी कि अमेरिकी एयर फोर्स के हवाई हमले में 200 तालिबानी मारे गए हैं। जबकि 100 से ज्यादा वाहन, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद भी नष्ट कर दिया गया है।

बीते कुछ दिनों में तालिबान ने अपने हमले काफी तेज कर दिए हैं। अब तक वह तीन प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा कर चुका है। पहले उसने निरमोज प्रांत की राजधानी जरांज पर कब्जा किया था। शनिवार को उसने जावजान की राजधानी शेबेरगन पर हमला कर दिया। यहां उन्होंने एक जेल पर हल्ला बोल सभी कैदियों को रिहा कर दिया। तालिबान ने सार-ए-पुल की राजधानी कुंदुज पर कब्जा जमाने का दावा किया है।

अमेरिका और रूस परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए ज्यादा कोशिशें करें

तोक्यो, (एजेंसी)। जापान के नागासाकी पर अमेरिकी परमाणु हमले की 76वीं वर्षगांठ के मौके पर शहर के मेयर ने जापान, अमेरिका और रूस से परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। नागासाकी पीस पार्क में अपने संबोधन में मेयर तोमिहिसा ताउए ने जापान सरकार से आग्रह कर कहा कि उस अमेरिका की परमाणु छत्रछाया में रहने के बजाय पूर्वोत्तर एशिया को परमाणु मुक्त क्षेत्र बनाने की अगुवाई करनी चाहिए। वह अमेरिका के उस वादे का हवाला दे रहे थे जिसके तहत वह अपने सहयोगी देशों की रक्षा के लिए परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। ताउए ने अमेरिका और रूस से आग्रह किया कि वे परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए ज्यादा कोशिशें करें, क्योंकि इन दोनों देशों के पास परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा जखीरा है। मेयर ने इसपर चिंता व्यक्त की परमाणु हथियारों से संपन्न देशों ने निरस्त्रीकरण से अपने कदम पीछे खींचकर आधुनिक प्रौद्योगिकी की मदद से छोटे परमाणु अस्त्र बनाकर उनका उन्नयन कर रहे हैं। नौ अगस्त 1945 को इसी समय बी-29 लड़ाकू विमान से अमेरिका ने परमाणु बम शहर पर गिराया था जिसमें 70,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इसके तीन दिन पहले छह अगस्त 1945 को अमेरिका ने हिरोशिमा पर दुनिया का पहला परमाणु हमला किया था,इसमें 1.40 लाख लोगों की मौत हो गई थी और 15 अगस्त 1945 को जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया था जिसके बाद द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हो गया था। मेयर ने जापानी सरकार और सांसदों से 2017 की परमाणु निरस्त्रीकरण की संधि पर जल्द हस्ताक्षर करने को भी कहा, जो जनवरी से प्रभावी हो चुकी है। तोक्यो परमाणु हथियार नहीं बनाता है या परमाणु अस्त्र नहीं रखता है लेकिन अमेरिका के सहयोगी होने के नाते जापान में 50,000 अमेरिकी सैनिक हैं।

कोरोना संक्रमण से चीन फिर बेहाल, सवा सौ नए मामले सामने आए

बीजिंग, (एजेंसी)। वैश्विक महामारी कोविड-19 को दुनिया में फैलाने वाला चीन एक बार फिर कोरोना वायरस का संक्रमण शिकार हो रहा है। चीन में 8 अगस्त को कोरोना वायरस के 125 नए मामले सामने आए। इससे एक दिन पहले 96 केस आए थे। चीन के स्वास्थ मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। चीन में डेल्टा वैरिएंट के कारण कोरोना के मामले बढ़े हैं। 125 नए मामलों में से 94 केस स्थानीय हैं।

चीन के कई प्रांतों में तेजी से मरीज मिलने के बाद अब राजधानी बीजिंग को संक्रमण से बचाने के लिए यात्रा प्रतिबंध लगाए गए हैं। सरकारी मीडिया के अनुसार प्रांतों से राजधानी बीजिंग आने वालों पर रोक लगा दी गई है। ये उन क्षेत्रों के नागरिकों पर रोक है, जहां कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। उच्च और मध्यम खतरे वाले क्षेत्रों से आने के लिए यात्रियों को हवाई और रेल टिकट दिए जाने पर रोक लगा दी गई है। यात्रा के लिए हेल्थ कोड जारी किए गए हैं। केवल ग्रीन हेल्थ कोड के लोगों को ही यात्रा में राहत दी गई है। बीजिंग एयरपोर्ट से 15 शहरों के लिए जाने-आने वाली फ्लाइट बंद कर दी गई हैं।

उधर, जापान में भी कोरोना वायरस के मामले में रिकार्ड तेजी देखी जा रही हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार पिछले 24 घंटे में देश में 15753 नए मरीज मिले हैं। टोक्यो, जहां ओलिंपिक खेल हुए हैं, वहां भी एक दिन में 4066 नए मरीज मिले हैं। यह संख्या जनवरी के बाद सबसे ज्यादा है। वहीं ब्राजील में हर रोज 990 लोगों की मौत हो रही है। एक दिन में 43 हजार से ज्यादा नए मामले मिल रहे हैं। आस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा आबादी वाले न्यू साउथ वेल्स, विक्टोरिया और क्वींसलैंड में डेल्टा वैरिएंट के कारण मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ से जुड़े भारत के आरोपों को पाकिस्तान ने बताया निराधार

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ के भारत के आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें खारिज कर दिया है। भारत के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने हाल में कहा था कि एलओसी पर दर्जनों आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि सेना को नियंत्रण रेखा के पार आतंकी ठिकानों में लगभग 140 आतंकवादियों की लगातार मौजूदगी का पता चला है। आतंकी जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन मजबूत घुसपैठ-रोधी ग्रिड के कारण उन्हें कामयाबी नहीं मिली है।

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता हाफिज चौधरी ने कहा कि हम इन निराधार आरोपों को खारिज करते हैं कि पाकिस्तान एलओसी के जरिए तथाकथित आतंकवादियों की घुसपैठ कराना चाहता है। उन्होंने कहा समय-समय पर लगाए गए ऐसे आरोपों का कोई आधार नहीं है। इस साल फरवरी में पाकिस्तान ने क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के हित में भारत के साथ 2003 के संघर्ष विराम समझौते के पालन की बात दोहराई थी।

पाकिस्तानी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भारत संघर्ष विराम पर बनी सहमति को भंग करने के लिए बेबुनियाद और निराधार आरोपों के जरिए तथाकथित घुसपैठ के प्रयासों की बात कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियानों के महानिदेशकों के बीच हॉटलाइन पर बातचीत के बाद फरवरी में दोनों देश इस साल 24-25 फरवरी की मध्यरात्रि से एलओसी और अन्य क्षेत्रों में सभी समझौतों, सहमति और संघर्ष विराम का सख्ती से पालन करने पर सहमत हुए। पाकिस्तान में फैले कोरोना वायरस के कारण इन लॉन्च पैड्स पर पिछले कुछ महीनों में कम गतिविधियां देखी गई थीं, लेकिन हाल के कुछ समय से यहां चहल-पहल बढ़ गई हैं। पाकिस्तानी आतंकी इन्हीं लॉन्च पैड्स के जरिए भारत में प्रवेश करने की साजिश रचते हैं। भारत और पाकिस्तान में सीजफायर पर बनी सहमति के बाद आतंकियों को घुसपैठ करने के लिए नया मौका मिल गया है। ऐसे में अगर भारतीय सेना फायरिंग करती है तो पाकिस्तान फिर सीजफायर का उल्लंघन बताकर दुनिया में भारत के खिलाफ प्रचार करेगा।

किसानों के लिए टोएटा का अनोखा प्रस्ताव, मक्का और सोयाबीन के बदले घर ले जाएं लग्जरी कार

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध जापानी कार निमार्ता कंपनी टोएटा ने एक अनोखे अंदाज में किसानों को बेहतरीन प्रस्ताव दिया है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में यह अपने तरीके का ऑफर है। कंपनी दक्षिण अमेरिका के किसानों को लग्जरी कार खरीदने का अवसर दे रही है। दिलचस्प बात ये है कि उन्हें इसके लिए अपनी फसल बेचकर पैसे नहीं लाने होंगे, बल्कि वो सीधा अपनी फसलें शो रूम में लाकर बदले में लग्जरी कार्स घर ले जा सकेंगे। टोएटा बारटर नाम की इस स्कीम में किसान सोयाबीन या मक्के की फसल के बदले टोयोटा एसयूवी या फिर टोयोटा पिकअप अपने साथ ले जा सकेंगे। कंपनी ने इसे एग्री बिजनेस का नाम देते हुए किसानों को बेहतरीन ऑफर दिया है। सोयाबीन और मक्के के बदले उन्हें जो गाड़ियां मिल सकती हैं, वो हैं, टोएटा हिलक्स पिकअप ट्रक, टोएटा फार्चूनर या फिर टोएटा कोरोला क्रास एसयूवी। दरअसल इस प्रस्ताव के लिए बाजार दर पर सोयाबीन और मक्के की फसल ली जाएगी। इसका वजन जब मार्केट प्राइस के हिसाब से गाड़ी के रेट तक पहुंच जाएगा, तो गाड़ी किसान की हो जाएगी। हां, इससे पहले फसल की अच्छी तरह से जांच की जाएगी। क्वॉलिटी चेक के बाद ही इसे लिया जाएगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि ब्राजील में टोयोटा की डायरेक्ट सेल का 16 फीसदी हिस्सा एग्रीकल्चर सेक्टर से ही आता है। ऐसे में कार बनाने वाली कंपनी को उम्मीद है कि इस ऑफर से उनकी सेल में बढ़ोतरी होने वाली है। साल 2019 में ही कारमेकिंग कंपनी की ओर से ये पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर दिया गया है। लेकिन अब इस एग्री बिजनेस को बढ़ाया जा रहा है, ताकि कंपनी को सेल में फायदा मिल सके। ये स्कीम ब्राजील के बाहिया, मैटो ग्रासो, गोइयास, साओ पाउलो जैसे इलाकों में चल रही है। अब इसे और जगहों पर भी बढ़ाया जा रहा है। इस पेमेंट सिस्टम के जरिये कैश या कार्ड के जरिए पेमेंट का झंझट खत्म हो जाता है और किसान सीधे फसल देकर गाड़ी घर ले आते हैं। वैसे पुराने जमाने में अनाज के बदले सामान लेने का सिस्टम भारत में भी चलता था, फिलहाल कंपनी भारतीय बाजार में ये स्कीम तो नहीं, लेकिन कुछ गाड़ियां जरूर इंट्रोड्यूस करने जा रही है।

बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा, हिंदुओं के 50 घर और दुकानें क्षतिग्रस्त, चार मंदिर तोड़े गए, कई लोग घायल

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश के खुलना जिले में कट्टरपंथियों की भीड़ ने एक मौलाना के उकसावे पर 50 से ज्यादा हिंदुओं के घरों पर हमला कर दिया। इस दौरान भीड़ ने कम से कम चार मंदिरों में भी तोड़फोड़ की। हाल के दिनों में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले बहुत बढ़ गए हैं। खास कर जब से, हफिाजत-ए-इस्लाम जैसे संगठनों का बांग्लादेश में उदय हुआ है, तब से ऐसी घटनाओं में भारी बढ़ोतरी देखी गई है।

मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अपनी ढाका यात्रा के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार शाम खुलना जिले के सियाली गांव में स्थानीय मस्जिद के एक मौलवी ने एक हिंदू धार्मिक जुलूस का विरोध किया। इसके बाद कट्टरपंथियों की भीड़ आक्रोशित हो गई और शनिवार शाम को गांव के हिंदू घरों पर हमला कर दिया। हिंदू घरों पर हमला करने वाली भीड़ में आसपास के गांवों के मुस्लिम नागरिक शामिल थे, जिन्होंने हमले के दौरान कुल्हाड़ी और दूसरे हथियारों का इस्तेमाल किया।

हमले का विरोध करने पर कई लोगों को पीटा गया। बताया जाता है कि साम्प्रदायिक हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, हालांकि अब तक किसी के मारे जाने की खबर नहीं है। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। स्थानीय पुलिस ने हिंदू मंदिरों, घरों और दुकानों में तोड़फोड़ किए जाने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज करके 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम करीब 100 हमलावर गांव पहुंचे। उन्होंने घरों में तोड़फोड़ की और चार मंदिरों को उजाड़ दिया।

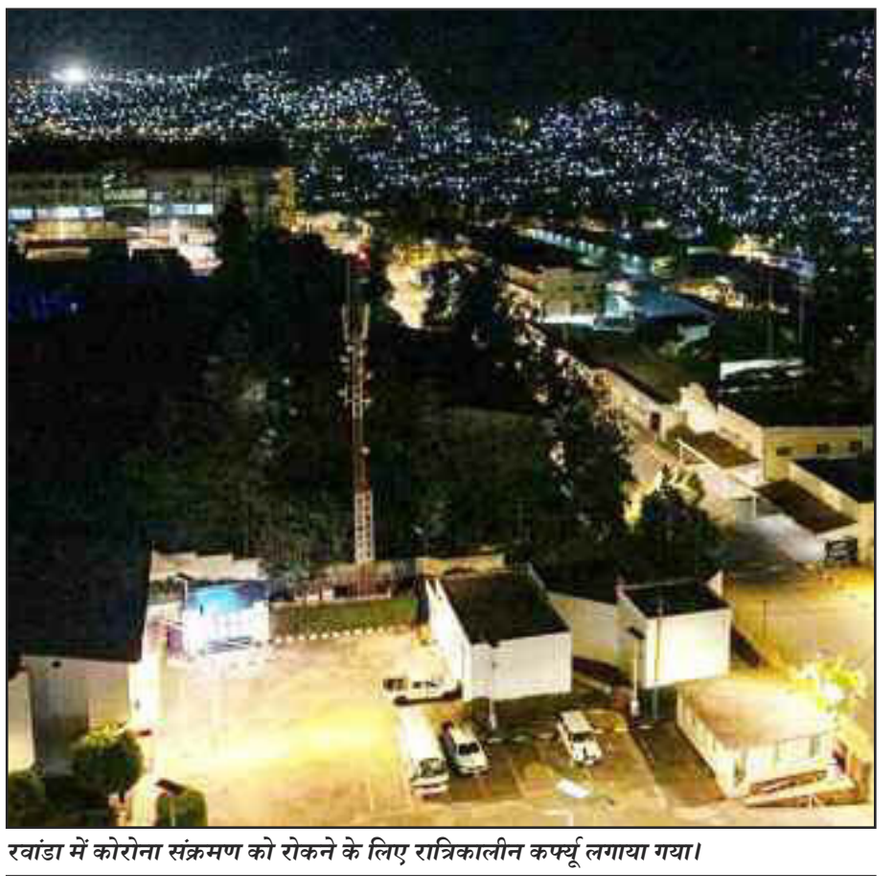

रवांडा में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाया गया।

उड़ानें शुरू होने के साथ ही यूएई में फंसे भारतीयों की वापसी शुरू, विमानन कंपनियों ने बढ़ाए टिकट के दाम

दुबई, (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए उड़ानों की शुरूआत कर दी है। इसके साथ ही यूएई में फंसे के भारतीय कामगारों की वापसी का क्रम भी शुरू हो गया है। विमान सेवाओं ने पिछले दिनों यूएई के हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी कर दी है। इसकी वजह से यात्रियों को ज्यादा किराया भुगतान करना पड़ रहा है।

ट्रैवल एजेंटों का कहना है कि उड़ानों के दोबारा शुरू होने की घोषणा के बाद से भारत और पाकिस्तान से यूएई के लिए सभी मार्गों पर टिकट की कीमतों में कम से कम 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है। कोचीन, केरल से दुबई, यूएई के लिए नॉन स्टॉप, वन-वे, इकोनॉमी टिकट, जिसकी कीमत आमतौर पर 700-850 दिरहम थी, अब इसके दाम 1,050-1100 दिरहम तक जा पहुंचे हैं। इसी तरह इकोनॉमी क्लास के लिए हवाई किराया, मुंबई से दुबई के बीच 1,300 दिरहम से ज्यादा हो चुका है। यह 12 अगस्त और उसके बाद शुरू होने वाले हफ्ते के लिए अस्थाई किराया है। जिन यात्रियों ने 10 अगस्त से पहले अपने टिकट बुक किए हैं, उन्हें और ज्यादा पैसे खर्च करने पड़े हैं।

दुबई की रहने वाली श्रुति के. ने कहा कि उन्होंने 9 अगस्त को मुंबई से यूएई के लिए उड़ान भरी जिसके लिए उन्हें 6,500 रुपए खर्च किए। इसी तरह पाकिस्तान के अलग-अलग शहरों से उड़ानों के लिए हवाई किराए में बढ़ोत्तरी हुई है। इस्लामाबाद से दुबई तक एक इकोनॉमी क्लास टिकट, नॉन-स्टॉप, के दाम 2,300 दिरहम या इससे ज्यादा हैं। इस साल नवंबर में यात्रा के लिए इसी टिकट के दाम करीब 800 दिरहम हैं। इसमें करीब 180 फीसदी का अंतर है।

कराची से दुबई के लिए एक इकोनॉमी-क्लास का टिकट, जो सामान्य रूप से 600 से 650 दिरहम में बेचा जाता था, अब उसके दाम 1,200 और उससे भी ज्यादा हो गए हैं। टिकट के दाम में यह इजाफा दोगुना तक हुआ है। टिकट की कीमतों में इतनी बड़ी बढ़ोत्तरी भारत और पाकिस्तान के अलग-अलग शहरों को यूएई से जोड़ने वाले मार्गों पर यात्रियों की बड़ी संख्या की ओर इशारा करती है।

रन फॉर दिल्ली@75 स्पॉट-रन कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सोमवार को रन फॉर दिल्ली@75 स्पॉट-रन कार्यक्रम के साथ 75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत की। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों के बीच देशभक्ति की भावना जगाना और हेल्थ एवं फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाना था। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य यह दिखाना है कि भले ही भारत 75 वर्ष का हो रहा है, लेकिन लोगों के दिल और आत्मा अभी भी युवा हैं और ऊर्जा से भरे हुए हैं। भारत की आजादी के 75वें साल में दिल्ली सरकार ने दिल्ली सेलिब्रेट्स फ्रीडम@75 के तहत एक कार्यक्रम श्रृंखला शुरू की है। जिसका उद्देश्य दिल्ली को देशभक्ति से ओत-प्रोत कर आजादी के रंगों से रंगना है। ये स्पॉट-रन उसी कार्यक्रम का एक हिस्सा था।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आजादी का अमृत महोत्सव- रन फॉर देल्ही@75 मनाने के लिए जोश के साथ पहुंचे। सभी लोगों को बधाई दी और प्रतिभागियों के साथ दौड़ में भी भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि हम देश के हर एक नागरिक की बेहतरी के लिए काम करते हुए मिलकर अपनी मातृभूमि को उत्साह और खुशी से भर सकते हैं। मुझे यकीन है कि हम अपने देश की तरक्की के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। मुख्य सचिव विजय कुमार देव ने कहा कि दिल्ली देश के लिए उदाहरण है कि हम देश की आजादी का जश्न मनाने के लिए रन फॉर दिल्ली@75 का आयोजन कर रहे हैं। ये कार्यक्रम आजादी के जश्न के साथ-साथ लोगों में फिटनेस को लेकर भी जागरूकता फैलाएगा। इस 3 किमी लम्बे स्पॉट रन का आयोजन दिल्ली सचिवालय से राजघाट तक किया गया। दौड़ में दिल्ली सचिवालय के लगभग 200 कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया, जिन्हें 10-15 व्यक्तियों के समूह में बांटा गया था।

दिल्ली में कोविड संबंधी पाबंदियां या छूट जीआरएपी के अनुसार होगी लागू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डीडीएमए ने एक आदेश में कहा कि राजधानी में कोविड-19 महामारी के मद्देनजर किसी भी गतिविधि पर पाबंदी या छूट अब से ग्रेडेड रेस्पॉन्स ऐक्शन प्लान जीआरएपी के तय मापदंडों के आधार पर लागू की जाएगी। डीडीएमए ने सभी जिला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि जीआरएपी की सिफारिशें तत्काल प्रभाव से लागू की जाएं। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सभी जिलों को निर्णय लेने में मदद पहुंचाने के लिए जीआरएपी में बताए गए कलर कोडेडसिस्टम के तहत रोजाना अलर्ट भेजेगा। जीआरएपी को नौ जुलाई को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मंजूरी दी थी। उसमें तीन मापदंडों -दिल्ली में संक्रमण दर, कुल नए मामले और भरे हुए ऑक्सीजन बेडों के औसत को ध्यान में रखा गया है। योजना में इन मापदंडों के विस्तृत विश्लेषण के बाद चार रंगों- येलो, अंबर, ऑरेंज और रेडके अलर्ट और उनके जरूरी मापदंडों की सिफारिश की गई है। डीडीएमए के आदेश में कहा गया है कि मान्य/प्रतिबंधित/ सीमित गतिविधियां ग्रेडेड रेस्पॉन्स ऐक्शन प्लान के निर्धारित अलर्ट के स्तर के अनुसार होगी और तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक क्रियान्वयन के लिए होगी। उसमें कहा गया है कि जैसे ही कोई मापदंड अलर्ट के निर्धारित स्तर पर पहुंच जाता है तो अलर्ट आदेश जारी किया जाएगा तथा ऐसे स्तर पर मान्य प्रतिबंधित सीमित गतिविधियां स्वतः ही एक्टिवहो जाएंगी। येलो (प्रथम स्तर) अलर्ट दो दिनों तक संक्रमण दर 0.5 तक पहुंचने, रोजाना नए मामले 1500 तक जाने एवं 500 तक ऑक्सीजन युक्त बेड भर जाने के लिए होगा। अंबर अलर्ट तब लागू होगा जब संक्रमण दर एक फीसद हो, नए मामले 3500 तक पहुंच जाए एवं 700 तक ऑक्सीजन युक्त बेड भर जाएं। ऑरेंजअलर्ट तब होगा, जब संक्रमण दर दो फीसदी को पार कर जाए, नए मामले 9000 तक चले जाएं और 1000 तक ऑक्सीजन युक्त बेड भर जाएं। रेडअलर्ट सबसे ऊंचा स्तर है और यह तब होगा जब संक्रमण दर पांच फीसद से अधिक हो जाए तथा नए मामले 16000 हो जाएं एवं 3000 तक ऑक्सीजन युक्त बेड भर जाएं।

काला जठेड़ी गिरोह का सदस्य बताकर जौहरी से 20 लाख वसूलने की कोशिश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में एक जौहरी से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में 21 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी व्यक्ति भारतीय सेना में भर्ती होने का इच्छुक था। आरोपी हेमंत विज्ञान विषय में स्नातक है। उसने खुद को कुख्यात काला जठेड़ी गिरोह का सदस्य बताकर जौहरी से रुपये वसूलने की कोशिश की।

पुलिस ने कहा कि आरोपी खुद को काला राणा बताता था। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी से बचने के लिए हेमंत ने वीओआईपी (वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल) का उपयोग करके कॉल करना सीखने के लिए यूट्यूब पर कई वीडियो भी देखे। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी दिल्ली) प्रियंका कश्यप ने कहा कि आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसने इंटरनेट पर दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा जठेड़ी की गिरफ्तारी के बारे में पढ़ा था और उसे यह भी पता चला कि काला राणा नामक व्यक्ति इस समय गिरोह का संचालन कर रहा है।

ओबीसी आरक्षण पर सरकार के साथ आया विपक्ष

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हंगामे और शोर-शराबे के बीच चल रहे संसद के मॉनसून सत्र का आखिरी हफ्ता शुरू हो गया है। इस दौरान मोदी सरकार अहम बिल पास करवाने की कोशिश कर रही है और इनमें सबसे ऊपरे ओबीसी आरक्षणे से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक है। केंद्र सरकार इस विधेयक को लोकसभा में पेश करेगी और अब विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी ऐलान किया है कि वह इस बिल के समर्थन में है। अगर बिल पास हो जाता है तो एक बार फिर से राज्यों को ओबीसी सूची में किसी जाति को अधिसूचित करने का अधिकार मिल जाएगा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को बताया कि सभी विपक्षी पार्टियां 127वें संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन करने को तैयार है। उन्होंने संसद भवन में आज हुई विपक्षी दलों की बैठक के बाद यह जानकारी दी। खड़गे ने बताया कि इस बैठक में विपक्षी पार्टियों ने सरकार के साथ सहयोग करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, यह संशोधन राज्यों के उस अधिकार को बहाल करने के लिए किया जा रहा है जिससे वे सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को अधिसूचित कर सकें। उन्होंने आगे कहा, इस देश में आधी से ज्यादा आबादी पिछड़े समुदाय से है। बिल पेश किया जाएगा, इस पर चर्चा होगी और उसी दिन यह पास कर दिया जाएगा। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल 5 मई को दिए अपने फैसले में कहा था कि ओबीसी सूची तैयार करने का अधिकार सिर्फ केंद्र के पास है। बता दें कि संसद का मॉनसून सत्र 19 जुलाई को शुरू हुआ था। हालांकि, इस दौरान पेगासस जासूसी कांड और तीन कृषि कानूनों पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी पार्टियों ने दोनों सदनों में अपना हंगामा जारी रखा। ` संसद में संविधान के अनुच्छेद 342-ए और 366(26) सी के संशोधन पर अगर मुहर लग जाती है तो इसके बाद राज्यों के पास ओबीसी सूची में अपनी मर्जी से जातियों को अधिसूचित करने का अधिकार होगा। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय, हरियाणा में जाट समुदाय, गुजरात में पटेल समुदाय और कर्नाटक में लिंगायत समुदाय को ओबीसी वर्ग में शामिल होने का मौका मिल सकता है। लंबे समय से ये जातियां आरक्षण की मांग कर रही हैं। इनमें से मराठा समुदाय को महाराष्ट्र देवेंद्र फडणवीस सरकार ने आरक्षण दिया भी था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 5 मई को दिए फैसले में इसे खारिज कर दिया था।

दिल्ली के अस्पतालों में चालू हुए 45 ऑक्सीजन प्लांट 15 अगस्त तक 18 प्लांट और शुरू होंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में कोरोना की तीसरी लहर की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के सरकारी और निजी अस्पतालों में 45 ऑक्सीजन प्लांट लगाकर चालू कर दिए गए हैं। हाल ही में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर की तैयारी के तहत राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी अस्पतालों में 55.46 मीट्रिक टन क्षमता वाले ऑक्सीजन संयंत्रों को चालू किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली के विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में 148.11 मीट्रिक टन की कुल क्षमता वाले लगभग 160 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 66, केंद्र सरकार के अस्पतालों में 10 और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में 84 प्लांट लगाए जा रहे हैं। 55.46 एमटी क्षमता वाले 45 संयंत्रों को पहले ही चालू किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को डीडीएमए की एक बैठक के दौरान कहा कि 21.06 मीट्रिक टन क्षमता के अठारह ऐसे संयंत्र 15 अगस्त तक चालू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि 9.29 मीट्रिक टन क्षमता के दस ऑक्सीजन संयंत्र 31 अगस्त तक चालू हो जाएंगे और 5.67 मीट्रिक टन क्षमता के तीन संयंत्र 15 अक्टूबर तक तैयार हो जाएंगे। दिल्ली में 221 मीट्रिक टन क्षमता के चार तरल चिकित्सा ऑक्सीजन भंडारण टैंक पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि 50 मीट्रिक टन क्षमता का एक और टैंक जीटीबी अस्पताल में पहुंच गया है और 10 अगस्त तक स्थापित किया जाएगा।

कंज्यूमर फोरम ने फ्लाइट छूटने के मामले में रेलवे को दिया था मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रेलवे को लापरवाही और सेवा में कमी के लिए 40,000 रुपये का मुआवजा देने के नेशनल कंज्यूमर फोरम के आदेश को लेकर नोटिस जारी किया है। यूनियन ऑफ इंडिया ने कंज्यूमर फोरम के इस आदेश को चुनौती देते हुए कोर्ट में ये याचिका दायर की थी। ये 40,000 रुपये का मुआवजा उन लोगों को दिया जाना है जिनको ट्रेन यात्रा के दौरान अपने एयरपोर्ट तक पहुंचने में छह घंटे की देरी हो गई थी और इसके चलते इनकी फ्लाइट भी छूट गई थी। इस मामले में जिला कंज्यूमर फोरम ने भारतीय रेलवे को लापरवाही और सेवा में कमी का दोषी ठहराया था, और उसको पीड़ित लोगों को 40,000 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। इसके बाद नेशनल कंज्यूमर फोरम ने भी इस आदेश को बरकरार रखा था। रेल मंत्रालय ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस रवींद्र भट की एक डिवीजन बेंच ने प्रतिवादियों रमेश चंद्र व अन्य को नोटिस जारी किया है।

कोर्ट ने कंज्यूमर फोरम के अधिकार क्षेत्र और भारतीय रेलवे के दायित्व के मुद्दे पर विचार करने पर अपनी सहमति भी व्यक्त की है। साथ ही कोर्ट ने शर्त रखी है कि यूनियन ऑफ इंडिया, रेल मंत्रालय के जरिये चार हफ्तों के अंदर कोर्ट में 25,000 रुपये जमा करवाएगा। हालांकि साथ ही कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि वो नेशनल कंज्यूमर फोरम के 21 अक्टूबर, 2020 के आदेश पर रोक नहीं लगा रहा है। नेशनल और ज़िला कंज्यूमर फोरम दोनों ही के अनुसार रेलवे इस मामले में पहले से ही ट्रेन लेट होने का अनुमान लगा सकता था और इसकी जानकारी यात्रियों को दे सकता था। फोरम के अनुसार उसने ऐसा नहीं किया इसलिए इसे उसकी लापरवाही और सेवा में कमी ठहराया गया था। जिसके आधार पर रेलवे को मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। साथ ही रेलवे ने कहा कि, कंज्यूमर फोरम ने उनके द्वारा दिए गए तथ्यों पर विचार किए बिना ही इस दावे को खारिज कर दिया और रेलवे पर ये मुआवजा देने का आदेश लगा दिया। रेलवे के अनुसार, इंडियन रेलवे कॉन्फ्रेंस कोचिंग रेट टैरिफ नंबर 26 पार्ट-1 (वॉल्यूम 1) के रूल 115 के तहत रेल प्रशासन किसी भी ट्रेन के टाइम टेबल में दिए गए शेड्यूल के अनुसार उसके आगमन और प्रस्थान की कोई गारंटी नहीं देता है। इन नियमों के अनुसार, सामान को हुए किसी भी नुकसान या किसी अन्य असुविधा के लिए रेलवे को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

गुलेल गैंग का कुख्यात बदमाश गिरफ्तार, 25000 का था इनाम

नोएडा, (एजेंसी)। नोएडा की थाना फेस-2 पुलिस ने सड़क किनारे खड़ी कारों का शीशा तोड़कर चोरी करने वाले गुलेल गैंग के कुख्यात बदमाश को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए बदमाश के सिर पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस बदमाश को उसके दिल्ली स्थित ठिकाने से चार अगस्त को पकड़ने गई थी, लेकिन उस समय आरोपी ने ब्लेड मारकर अपने आप को घायल कर दिया था। उसे दिल्ली के एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने उपचार के बाद ठीक होने पर रविवार को उसे गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) अंकुर अग्रवाल का कहना है कि थाना फेस-2 पुलिस को सूचना मिली कि कारों का शीशा तोड़कर लैपटॉप एवं नकदी आदि चोरी करने वाला कुख्यात बदमाश इंद्रजीत दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर खड़ा है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे वहां से पकड़ लिया, लेकिन राजेंद्र ने पुलिस से बचने के उद्देश्य से ब्लेड से अपने गले पर प्रहार कर स्वयं को घायल कर लिया। दिल्ली पुलिस की सहायता से उसे दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद ठीक होने पर उसे 8 अगस्त को थाना फेस -2 पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। यह बदमाश नंवबर 2018 में थाना सेक्टर 24 पुलिस पर गोली चलाता हुआ भाग गया था और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रु का इनाम घोषित था। उन्होंने कहा कि बदमाश ने कारों का शीशा तोड़कर चोरी की सैकड़ों वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।

सीबीआई अधिकारी बनकर ठगी में ईरानी गैंग के 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर जूलर और कर्मियों से ठगी करने वाले ईरानी गैंग के 5 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान भोपाल निवासी मोहम्मद अली उर्फ मो. साबिर हुसैन (52), मो. काबिल उर्फ इमरान हुसैन (45), अनवर अली (45), शौकत अली जाफरी (55) और मुख्तयार हुसैन (35) के रूप में हुई है। मोहम्मद अली गिरोह का सरगना जबकि अनवर उसका सगा भाई है। सभी आरोपी एक-दूसरे के रिश्तेदार हैं। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी से करोलबाग में हाल में हुई ठगी की तीन वारदात सुलझाने का दावा किया है। रविवार को आरोपियों को रिमांड पर लेने के बाद पुलिस ने मामले का खुलासा किया।

मध्य जिला पुलिस उपायुक्त जसमीत सिंह ने बताया कि 27 जून करोलबाग की बैंक स्ट्रीट पर बदमाशों ने जूलर के कर्मचारी से 300 ग्राम सोने की जूलरी ठग ली थी। बदमाशों ने सीबीआई अधिकारी बताकर तलाशी लेने के लिए उसे रोककर उसकी जूलरी लेकर फरार हो गए। करोलबाग पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। सीसीटीवी फुटेज से वारदात में ईरानी गैंग के शामिल होने की बात सामने आई। इसी तरह के हूलिये के बदमाशों ने करोलबाग में पहले हुई ठगी की दो अन्य वारदात को अंजाम दिया था। जांच के बाद पुलिस की टीम ने गैंग सरगना मोहम्मद अली की पहचान कर ली। उसे दबोचने के लिए एक टीम भोपाल भेजी गई। जहां आरोपी नहीं मिला। पुलिस ने वारदात के समय ट्रेन में भोपाल से दिल्ली यात्रा करने वालों का पता किया। जांच में पता चला कि 26 जून को पांचों आरोपी दिल्ली पहुंचे और 30 जून को वापस लौट गए। आरोपी लगातार दिल्ली आते जाते थे।

सगे भाइयों पर जानलेवा हमला करने के मामले में चार दोषी करार

नई दिल्ली । छह साल पहले खजूरी खास इलाके में दो सगे भाईयों पर जानलेवा हमला करने के मामले में बुधवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव के कोर्ट ने चार आरोपितों को दोषी करार दिया है। इनकी सजा पर बहस 24 अगस्त को होगी। खजूरी खास की गली नंबर-20 में बच्चों के बीच हुए झगड़े में 21 अगस्त 2015 को दो पड़ोसी आपस में भिड़ गए थे। इस झगड़े में फर्नीचर बनाने का काम करने वाले तौसीफ उर्फ तोसीन और उनके भाई सुहैल पर छुरी से हमला किया गया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

इस मामले में पीड़ित तौसीफ की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित सगीर अहमद उर्फ कल्लू, इलियास, शकील उर्फ जाज और आशिफ उर्फ राजा को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सगीर अहमद के घर से वारदात में इस्तेमाल छुरी बरामद की थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान आरोपित इलियास, आशिफ और शकील ने खुद को बचाने के लिए आरोप लगाया कि उनको इस मामले में गलत फंसाया गया है।

बिना मास्क जा रही महिला को रोकने पर हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के पश्चिम विहार थाना क्षेत्र में कोरोना ड्यूटी मेंतैनात महिला सिविल डिफेंस कर्मचारी को बिना मास्क स्कूटी चला रही एक महिला को चालान के लिए रोकना भारी पड़ गया। इसके बाद स्कूटी सवार महिला ने अपनी एक जानकार महिला को घटनास्थल पर बुला लिया और उस बाद महिला ने बीच सड़क पर सिविल डिफेंस कर्मीऔर उसके सहयोगियों के साथ जमकर मारपीट और गाली-गलौज की। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हैरानी की बात ये किघटनास्थल पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने भी उस महिला को रोकने की कोशिश की, मगर महिला ने किसी की नहींसुनी और वह लगातार मारपीट करती है। सिविल डिफेंस कर्मियों की शिकायत पर पश्चिम विहार वेस्ट थाना पुलिस ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालयटिकरी कलां में तैनात लाइब्रेरियन आनंद जोवर्तमान में एसडीएम पंजाबी बाग के कार्यालय से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया किबीते शुक्रवार को वह एकशिक्षकअजमेर सिंहऔर सिविल डिफेंसकर्मचारियों के साथ पीरागढ़ी मेट्रो स्टेशन के पास कोरोना नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे थे। शाम करीब 6 बजे उन्होंने स्कूटी सवारएक लड़की साधना कोरोका जो बिना मास्क के थी। स्टाफ ने उस लड़की काचालान करने के लिए कहा गया। इसके बाद उस लड़की नेअपनीनियोक्ता मीनूपत्नी निरंजन सिंहगांव पीरागढ़ी को मौके पर बुला लिया। उस महिलाने चालान का भुगतान करने के बजाय कोविड ड्यूटी में लगीटीम के साथमारपीट शुरू कर दी। इस मामले की शिकायत मिलने पर आरोपियों के खिलाफमारपीट करने, एक लोक सेवक को ड्यूटी करने से रोकने और डीडीएमए के दिशानिदेर्शों का उल्लंघन करने के संबंध में आईपीसी की धारा186/188/353/34 और 3 महामारी अधिनियम, 51 आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया था। इस मामले में दोनों आरोपियोंको गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोर्ट ने बच्ची से रेप और हत्या के मामले में सभी आरोपियों को 3 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली में 9 साल की बच्ची से कथित बलात्कार और हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच को सभी आरोपियों की 3 दिन की रिमांड दी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 1 अगस्त को दिल्ली कैंट इलाके के पास ओल्ड नांगल गांव के श्मशान घाट के एक पुजारी और तीन कर्मचारियों द्वारा एक नौ वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। आरोपी व्यक्तियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302, 376 और 506 के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पीओसीएसओ) कानून और अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने इससे पहले 5 अगस्त को दिल्ली के ओल्ड नांगल में हुए नाबालिग बलात्कार मामले में जिला मजिस्ट्रेट से 48 घंटे के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट जमा करने को कहा था। आयोग ने कहा कि उसने बाल अधिकार संरक्षण आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम, 2005 की धारा 13 (1) (जे) के तहत उक्त मामले का संज्ञान लिया है। दिल्ली पुलिस ने नाबालिग बच्चीकी मां के बयान के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। महिला ने आरोप लगाया था कि रविवार 1 अगस्तको उनकी बेटी के साथ बलात्कार करने के बाद हत्या कर दी गई और उनकी सहमति के बिना उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। दिल्ली सरकार द्वारा पिछले तीन महीने में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए नमूनों में कम से कम 80 फीसदी में कोरोनावायरस केडेल्टा वैरिएंट का पता चला है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है।

संपादकीय

नीरज का स्वर्ण

भारतीय युवा खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का नाम इतिहास में हमेशा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। 23 वर्षीय नीरज न केवल एथलेटिक्स में स्वतंत्र भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता हैं, बल्कि व्यक्तिगत प्रतिस्पर्द्धा में महज दूसरे स्वर्ण पदक विजेता भी बन गए हैं। टोक्यो में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए उन्होंने 87.58 मीटर दूर तक भाला फेंकने का कारनामा कर दिखाया है। इस प्रतिस्पर्द्धा में पहले से ही नीरज चोपड़ा को स्वर्ण की दौड़ में माना जा रहा था। नीरज ने 86.65 मीटर के थ्रो के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था और ग्रुप ए में शीर्ष पर रहे थे। नीरज एशियाड में स्वर्ण जीत चुके हैं, लेकिन यह उनका पहला ओलंपिक था, जिसमें वह पूरी तैयारी के साथ गए थे और नतीजा पूरी दुनिया के सामने है। जिस भारत को पदक तालिका में बिना स्वर्ण के बहुत नीचे खोजा जा रहा था, वह स्वर्ण जीतते ही पदक तालिका में कुछ सम्मानजनक ऊंचाई पर आ गया। फाइनल में जब नीरज ने दूसरे राउंड में भाला फेंका, तभी वह अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों से आगे हो गए। नीरज अगले राउंड में वैसे ही प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाए, लेकिन कोई भी अन्य खिलाड़ी उनकी दूरी को नहीं छू पाया।

अब दूसरे राउंड का स्वर्णिम थ्रो इतिहास में दर्ज हो गया है, जिसे खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की पीढ़ियां बार-बार देखेंगी। किस सफाई और संतुलन के साथ भाला फेंका जाता है, लोग नीरज चोपड़ा से सीखेंगे। इस महान उपलब्धि पर नीरज चोपड़ा को अभिभूत होने से बचना चाहिए। अभी उनकी उम्र कम है और वह कम से कम एक और ओलंपिक व एक और स्वर्ण जीत सकते हैं। भारत ने अपने अनेक खिलाड़ियों को चमकने के बाद ओझल होते देखा है, जबकि देश को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है, जो लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी चमक बिखेरें और देश को गौरवान्वित करें। एक बहुत मोटे बच्चे से ओलंपिक पदक विजेता तक का उनका सफर न केवल खिलाड़ियों, बल्कि आम लोगों को भी फिटनेस के लिए बार-बार प्रेरित करेगा। व्यक्ति अगर ठान ले, तो कुछ भी असंभव नहीं। किसान के बेटे नीरज चोपड़ा देश के नवीनतम उज्ज्वल आदर्श हैं।

नीरज की ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारत के लिए यह ओलंपिक आज तक का सबसे बेहतरीन ओलंपिक है। इसके पहले भारत ने साल 2012 के ओलंपिक में छह पदक जीतकर कमाल किया था, इस बार भारत सात पदक जीतकर नई ऊंचाई पर है। शनिवार को ओलंपिक में नीरज के स्वर्ण के अलावा भारत ने कुश्ती में भी बजरंग पूनिया के बल से एक कांस्य जीता है। गोल्फ में हम पदक जीतने के करीब पहुंचकर रह गए। भारत के लिए पूरी गंभीरता से खेलों पर काम करना जरूरी है। हमारे खिलाड़ियों में कोई खास कमी नहीं है, लेकिन आखिरी समय में जो कमजोरी या कमी रह जा रही है, उस पर काम करने की जरूरत है। कम से कम चार पदकों को हमने हाथ से फिसलते देखा है और टोक्यो ओलंपिक में हम दस से ज्यादा पदक जीत सकते थे। अगले ओलंपिक की तैयारी के लिए हमें अच्छा मंच मिल गया है। पिछले ओलंपिक की बुरी यादें पीछे रह गई हैं। नीरज चोपड़ा की योजनाओं, संघर्ष और लगन पर हमें गहराई से गौर करना चाहिए। यही वह रास्ता है, जो हमें हमारी आबादी के अनुरूप पदकों की सम्मानजनक संख्या तक पहुंचाएगा।

प्रवीण कुमार सिंह

माकूल फैसला

भारत में जॉनसन एंड़ जॉनसन के एक खुराक वाले कोविड-19 रोधी टीके के आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी दिए जाने के साथ ही भारत में ऐसे मंजूरशुदा टीकों की संख्या पांच हो गई है। अभी तक सीरम इस्टीट्यूट का कोविशील्ड, भारत बायोटेक का कोवैक्सीन, रूस का स्पुतनिक वी और मॉड़र्ना का टीका इस्तेमाल किया जा रहा है। अब जॉनसन एंड़ जॉनसन को भी मंजूरी मिल जाने से यकीनी तौर पर कहा जा सकता है कि भारत में कोरोना टीकाकरण की दिशा में तेजी से बढ़ा जा सकेगा। देश में टीकाकरण अभियान तेजी से चलाया जा रहा है, लेकिन हर दो-चार दिन बाद किसी न किसी राज्य से मांग आने लगती है कि उसे टीकों की खुराक तत्काल मुहैया कराई जाएं क्योंकि उसके पास टीके आउट ऑफ स्टॉक हो गए हैं। इन हालात में कुछराज्यों में पहली खुराक ले चुके लोगों को दूसरी खुराक लेने में अड़चन का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जॉनसन एंड़ जॉनसन के एकखुराक में मुकम्मल टीके को देश में मंजूरी दिया जाना वक्त पर उठाया गया कदम है। यह टीका बनाने वाली अमेरिकी कंपनी ने बीते शुक्रवार को मंजूरी दिए जाने संबंधी आवेदन किया था और भारत के औषधि महानियंत्रक (ड़ीसीजीआई) ने बिना देरी किए इसे देश में इस्तेमाल की तत्काल मंजूरी दे दी। महामारी अभी गई नहीं है, और कई देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों ने भारत में भी चिंता बढ़ा दी हैं। इसलिए कि अभी तक भारत अपेक्षित संख्या में अपने नागरिकों को टीका नहीं लगा पाया है। लेकिन मंजूरी संबंधी फैसले से महामारी को समाप्त करने की दिशा में महती मदद मिलेगी। कुछ दिन पहले जॉनसन एंड़ जॉनसन ने अपने टीके के तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण के लिए अर्जी दी थी। लेकिन भारत ने सहयोग का रुख अपनाते हुए उससे कहा था कि यदि उसके पास अन्य देशों के नियामक निकायों से टीके के इस्तेमाल की मंजूरी है, तो उसे क्लीनिकल परीक्षण संबंधी शर्त से छूट दी जा सकती है। परीक्षण बाद में संभव हो तो भारत जॉनसन एंड़ जॉनसन के टीके को यहां इस्तेमाल की मंजूरी दे सकता है। इस पर अमेरिकी कंपनी ने क्लीनिकल परीक्षण संबंधी अपना आवेदन वापस ले लिया और उसके टीके को भारत में इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई। कहना होगा कि यह समय से लिया गया माकूल फैसला है।

परिधि/राजीव मंडल

फिजूल का फरमान

अभी तक तो लड़कियों को ही उनके पहनावे पर नसीहत दी जाती थी, मगर बिहार के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपने नेताओं खासकर युवा नेताओं के जींस पहनने को लेकर तंज कसा है। बिना लाग-लपेट के पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने अपने कार्यकर्ताओं को कुर्ता और पाजामा पहनने की सीख दे ड़ाली। उनका मानना है कि जींस पहनने वाले गरीबों के संघर्ष को नहीं समझ सकते हैं। अगर मजलूमों की लड़ाई लड़नी है तो जींस को खूंटी पर टांगना होगा।

अब राजद और उनके संघर्षवीर नेताओं को यह बात कौन समझाए कि राजनीति का आधिकारिक पहनावा सिर्फ कुर्ता और पाजामा ही नहीं है। जिस नेता के कंधे पर पार्टी का दारोमदार है, वह खुद युवा है और जींस पहनने से उसे कोई परहेज भी नहीं है। फिर यह फिजूल के फरमान जारी करने का क्या औचित्य है? वेशभूषा या पहनावे का हमारे जीवन में काफी महत्व है। राजनीति में आचार-व्यवहार के अलावा पहनावे की खास भूमिका रहती है। यही वजह है कि राजनेता अपनी वेशभूषा को लेकर काफी सतर्क रहते हैं। नेताओं की पहचान ही सफेद कुर्ता और पाजामा रही है। खास बात यह है कि नेताओं के लिए कोई ड्रेस कोड़ नहीं है, इसके बावजूद सफेद कुर्ता-पाजाम या सफेद शर्ट और धोती या लुंगी ही नेताओं का पसंदीदा या कहें अनिवार्य पहनावा रहा है और इसमें एकाध नेताओं को छोड़ दें तो लगभग सभी नेता इस अघोषित ड्रेस कोड़ का संजीदगी से पालन भी करते हैं। दरअसल, जगदानंद सिंह को प्रदर्शन के दौरान उन नेताओं या कार्यकर्ताओं के व्यवहार पर आपत्ति थी कि वो लोग कहने के बावजूद धरनास्थल पर नहीं बैठ रहे थे। इसके बाद जगदानंद ने खीज कर जींस पहनकर आए कार्यकर्ताओं को आरएसएस का एजेंट बता दिया। जबकि उन्हें यह बात समझनी चाहिए कि पहनावे का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। जगदानंद ऐसी बात कहकर पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र को ही चोटिल कर रहे हैं। नेता क्या पहनें और क्या नहीं, यह थोपा नहीं जाना चाहिए। लोकतंत्र की खूबसूरती भी यही है कि उनके नेता और कार्यकर्ताओं पर पहनने या खाने की बंदिश नहीं लगाई जाए। ऐसे बर्ताव से तो तानाशाही की बू आती है। अगर युवाओं को पार्टी से जोड़ना है या जो हैं उन्हें बनाकर रखना है तो ऐसी अनर्गल बातों में वक्त बर्बाद करने से बचना होगा। गरीबों और मजूदरों की लड़ाई सिर्फ कुर्ता और पाजामा पहनने से ही लड़ी जा सकती है; इस सोच को दफन करना ही होगा।

खुदरा बाजार पर कब्जे की जंग

आलोक जोशी

सुप्रीम कोर्ट ने एमेजॉन के पक्ष में फैसला सुनाया। अडानी, अंबानी को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका। सुप्रीम कोर्ट ने एमेजॉन की याचिका पर जो फैसला सुनाया, उसके शीर्षक कुछ ऐसे ही बन सकते हैं। बहरहाल, फ्यूचर ग्रुप के प्रोमोटर किशोर बियानी ने अपना पूरा रिटेल और कुछ होलसेल कारोबार रिलायंस रिटेल को बेचने का जो सौदा किया था, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर रोक लगा दी है।

यह मामला जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा पेचीदा है। अदालत में लड़ाई जेफ बेजोस के एमेजॉन और फ्यूचर ग्रुप के प्रोमोटर किशोर बियानी के बीच ही चल रही थी और आज भी चल रही है। लेकिन दरअसल यह मुकाबला दुनिया के सबसे अमीर आदमी जेफ बेजोस और भारत के सबसे अमीर आदमी मुकेश अंबानी या उनकी कंपनियों के बीच है। और दांव पर है भारत का रिटेल या खुदरा बाजार।

फॉरेस्टर रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 में भारत का रिटेल कारोबार करीब 883 अरब डॉलर यानी करीब 65 लाख करोड़ रुपये का था। इसमें से भी सिर्फ किराना या ग्रोसरी का हिस्सा 608 अरब डॉलर या 45 लाख करोड़ रुपये के करीब था। इसी एजेंसी का अनुमान था कि 2024 तक यह कारोबार बढ़कर एक लाख तीस हजार करोड़ डॉलर या 97 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका होगा। यही वह बाजार है, जिस पर कब्जा जमाने की लड़ाई एमेजॉन व रिलायंस रिटेल के बीच चल रही है। वह वक्त गया, जब किशोर बियानी रिटेल किंग कहलाते थे। आज तो वह दो पाटों के बीच फंसे हुए हैं। जीते कोई भी, फ्यूचर ग्रुप की तो जान ही जानी है। किशोर बियानी के कारोबार की कहानी बहुत से लोगों के लिए सबक का काम भी कर सकती है कि कैसे एक जरा सी गलती आपको बहुत बड़ी मुसीबत में फंसा सकती है। उन्होंने एक सौदा किया था, तब शायद यह सोचा था कि भविष्य में यह मास्टरस्ट्रोक साबित होगा, लेकिन अब वही गले की फांस बन चुका है।

किस्सा थोड़ा लंबा है, लेकिन जरूरी है। किशोर बियानी रिटेल किंग कहलाते थे। ज्यादातर लोग उन्हें पैंटलून स्टोर्स और बिग बाजार के नाम से ही पहचानते हैं। जब से रिटेल में विदेशी निवेश की चर्चा शुरू हुई, तभी से यह सवाल पूछा जा रहा था कि दुनिया के बड़े दिग्गज रिटेलर जब भारत आएंगे, तब उनमें से कौन किशोर बियानी को अपना भागीदार बनाने में कामयाब होगा। रिटेल कारोबार पर भारत की बड़ी कंपनियों की निगाहें भी टिकी थीं। रिलायंस रिटेल धीरे-धीरे चला, लेकिन अब वह देश का सबसे बड़ा रिटेलर बन चुका था।

इस बीच फ्यूचर ग्रुप कुछ ऐसी जुगत में लगा रहा कि किसी तरह कंपनी में इतना पैसा लाने का इंतजाम हो जाए कि वह बाजार में कमजोर न पड़े। रिटेल सेक्टर में विदेशी निवेश के नियम उसके रास्ते में बाधा खड़ी कर रहे थे। एमेजॉन जैसी कंपनी भी भारत में पैर फैलाना चाहती थी, लेकिन ऑनलाइन कारोबार में लगी कंपनी के लिए इसमें घुसना और मुश्किल था। फिर 2019 में फ्यूचर ग्रुप से एक बयान आया कि उनकी एक कंपनी फ्यूचर कूपन्स लिमिटेड ने एमेजॉन के साथ करार किया है और एमेजॉन ने इस कंपनी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। दोनों कंपनियों ने यही कहा था कि यह तो लॉयल्टी पॉइंट और गिफ्ट वाउचर जैसा काम करने वाली कंपनी है और इसमें निवेश का ग्रुप के रिटेल कारोबार से कोई रिश्ता नहीं है।

यह अंदाजा नहीं था कि यह छोटा सा सौदा ही आगे चलकर बहुत बड़ा बवाल खड़ा करने वाला है। शायद किशोर बियानी को या फ्यूचर ग्रुप के लोगों को अंदाजा रहा हो, मगर तब भी वह शायद यह नहीं सोच रहे थे कि एक दिन उन्हें अपना कारोबार रिलायंस को बेचना पड़ेगा। लॉकडाउन शुरू होने के पहले ही कंपनी भारी परेशानी में थी, लेकिन लॉकडाउन बहुत महंगा पड़ा। पिछले साल अगस्त में फ्यूचर ग्रुप ने अपना रिटेल कारोबार रिलायंस को बेचने का समझौता किया।

यह समझौता होते ही एमेजॉन के साथ उसके पुराने करार का भूत जाग उठा। एमेजॉन ने अब सामने आकर बताया कि जिस फ्यूचर कूपन्स में उसने 49 प्रतिशत हिस्सा खरीदा था, वह फ्यूचर रिटेल में करीब 10 प्रतिशत हिस्सेदारी की मालिक है, इस नाते एमेजॉन भी उस कंपनी में करीब पांच प्रतिशत का हिस्सेदार है। एमेजॉन ने यह भी कहा कि 2019 के करार में एक रिस्ट्रिक्टेड पर्सन्स यानी ऐसे लोगों और कंपनियों की लिस्ट थी, जिनके साथ फ्यूचर ग्रुप को सौदा नहीं करना था। रिलायंस रिटेल इस लिस्ट में शामिल था।

यह झगड़ा सिंगापुर की अंतरराष्ट्रीय पंचाट में पहुंचा और उसने सौदे पर एक तरह से स्टे दे दिया। एमेजॉन जब यह फैसला लागू करवाने की मांग के साथ दिल्ली हाईकोर्ट गया, तो वहां से पहला आदेश उसके ही पक्ष में आया। लेकिन इसके बाद हाइकोर्ट की ही बड़ी बेंच ने इस फैसले को पलटकर सौदे पर रोक लगाने का आदेश खारिज कर दिया। तब मामला सुप्रीम कोर्ट गया, जहां से पिछले गुरुवार को फैसला आया है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले की यह बात समझनी जरूरी है कि कोर्ट ने सिर्फ यह कहा है कि सिंगापुर की पंचाट अगर कोई फैसला सुनाती है, तो वह भारत में भी लागू होगा, इसीलिए फ्यूचर व रिलायंस का सौदा फिलहाल आगे नहीं बढ़ सकता।

इस बीच भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग, यानी सीसीआई ने एमेजॉन को नोटिस दिया है कि वर्ष 2019 में फ्यूचर ग्रुप के साथ समझौता करते वक्त उसने कुछ जरूरी चीजों को परदे में रखा था। तर्क यह है कि तब दोनों कंपनियों ने कहा था कि इस समझौते का फ्यूचर ग्रुप के रिटेल कारोबार से कोई रिश्ता नहीं है, पर अब एमेजॉन इसी समझौते के सहारे रिटेल कारोबार का सौदा रुकवाना चाहता है। सीसीआई के पास यह अख्तियार है कि अगर वह चाहे, तो पुरानी तारीख में भी वह फ्यूचर और एमेजॉन के सौदे को रद्द कर सकता है।

यह पूरा मामला देश के दूसरे व्यापारियों के लिए सबक है। चादर से बाहर पैर फैलाना तो कारोबार में जरूरी है, लेकिन यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि इस चक्कर में कहीं चादर न फट जाए। कर्ज लेने में भी सावधान रहें और बड़ी कंपनियों से रिश्ते जोड़ने में तो और भी सावधान रहें।

> चादर से बाहर पैर फैलाना तो कारोबार में जरूरी है, लेकिन यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि इस चक्कर में कहीं चादर न फट जाए।

अमिताभ स.

वैश्विकी

सहजता के जीवन में ही सुख की राह

जाने-माने उद्योगपति रतन टाटा अमूमन एक कहानी सुनाते हैं, 'एक व्यक्ति तोता खरीदने गया। पिंजरों में बंद कई तोते थे। उसने एक तोते की कीमत पूछी, तो तोते वाले ने बताया, 'पांच हजार रुपये।' व्यक्ति ने पूछा, 'इतना महंगा? यह करता क्या है?' तोते वाले ने जवाब दिया कि यह अपनी चोंच से अंग्रेज़ी टाइप कर सकता है। खैर, व्यक्ति ने दूसरे तोते की कीमत जाननी चाही। तोते वाले ने कहा, 'यह तो दस हज़ार रुपये का है। क्योंकि यह तीन भाषाएं बोल-समझ सकता है।' हैरान व्यक्ति बोला, 'मुझे इतना काम करने वाले तोते नहीं चाहिए। उस आखिरी तोते की कीमत बताइए?' तोते वाला कहने लगा, 'वह तो तीस हज़ार रुपये का है।' उसने पूछा, 'यह करता क्या है?' तोते वाला बोला, 'मैं नहीं जानता, लेकिन सभी इसे चेयरमैन कहते हैं।' रतन टाटा आगे कहते हैं, 'मैं खुद जानता हूं कि चेयरमैन कुछ नहीं करता, फिर भी, बिग बॉस वही होता है।'

गुलाब और कमल के फूल के बीच कोई मुकाबला नहीं है। क्योंकि हर फूल की अपनी सिफत और खूबसूरती होती है। इसी प्रकार जिंदगी के सफ़र में भी कोई किसी से आगे या पीछे नहीं है, और न ही कोई किसी से बेहतर है या कमतर। हर इनसान वहीं है, जहां उसे होना चाहिए। हर इनसान अपना अध्यापक है और अपना विद्यार्थी भी। बावजूद इसके आत्मग्लानि से ग्रसित रहता है- कुछ न करने की, तो कभी कुछ करने की। बेतहाशा खर्च किया, या फिर, समय का पाबंद न हुआ तो आत्मग्लानि। किसी से नफ़रत करने पर आत्मग्लानि, तो किसी से प्यार करने पर भी। कभी-कभार तो ग्लानि पर ग्लानि होने लगती है। ग्लानि का अर्थ है- मन में किसी कार्य को करने का खेद होना। या कहें, अपनी गलती को महसूस करते हुए मन ही मन शिथिलता और खिन्नता पैदा होना। हरदम दूसरों को खुश करने, अच्छा बनने की और अपना सब कुछ कायदे से रखने जैसी कोशिशें बीमार तक बना देती हैं। इनसान 'मैं ऐसा क्यों हूं' या 'मैं वैसा क्यों हूं' के चक्कर में परेशान हो उठता है।

वास्तव में, इनसान ऐसे लोगों से घिरा रहता है, जो दूसरों को नियंत्रित करते हैं, उनका मूल्यांकन करते हैं और निरंतर आत्मग्लानि का आभास कराते रहते हैं। जबकि ऐसे लोग दूसरों को बदलने के तो उतारू होते हैं, लेकिन खुद को न बदल सकते हैं, न बदलने की हिम्मत जुटा पाते हैं। सद?गुरु जग्गी वासुदेव समझाते हैं, 'संपूर्ण होने के लिए आपको कुछ करने की जरूरत नहीं है, आपको कुछ सोचने की जरूरत नहीं है, आपको अनुभव करने की ज़रूरत नहीं है। जैसे आप हैं, आप एक सम्पूर्ण जीवन हैं।' अमूमन, दफ्तर की मेज़ पर काग़ज़ों-फ़ाइलों का अम्बार और घर की अलमारी से बाहर गिरते कपड़े देखने-सुनने में सही नहीं लगते, व्यक्तित्व की छवि को गिराते हैं। लेकिन शोध जताते हैं कि इस लिहाज से लापरवाह लोग खुशमिज़ाज होते हैं।

न्यूयार्क की 'एजिलोन प्रोफेशनल स्टाफिंग' के सर्वे के मुताबिक साफ-सुथरी डेस्क के मुक़ाबले अव्यवस्थित मेज के प्रोफेशनल्स ज़्यादा मोटा वेतन पाते हैं। न्यूयार्क की 'सीकोस्ट मेंटल हेल्थ सेंटर' के मनोवैज्ञानिकों की राय है कि घर या दफ्तर या ज़िंदगी में पूरी तरह अव्यवस्था का सफाया करना मुमकिन नहीं है। इर्विन कुला अपनी किताब 'एम्बेरेसिंग द स्केयरड मेसीनेस ऑफ लाइफ' में इस हद तक लिखती हैं, 'सलीके और तरकीब से रहने का मतलब है कि आपने कुछ किया ही नहीं। मिसाल के तौर पर, आड़े-तिरछे बिखरे औज़ार ही बताते हैं कि मिस्त्री काम कर रहा है। और अगर रसोई सलीक़े से सजी है तो यकीनन खाना बनाया और परोसा ही नहीं गया।' तथ्य है कि महान ब्रिटिश वैज्ञानिक अलेग्जेंडर फ़्लेमिंग ने अपने लापरवाह रवैये के चलते ही क्रान्तिकारी दवा पेंसलीन का आविष्कार किया था। उनकी प्रयोगशाला अव्यवस्थित रहती थी। उन्होंने तश्तरी में कुछ रासायनिक यूं ही छोड़ दिए, जिससे वहां मौजूद बैक्टिरिया समाप्त हो गए। इसी से आगे पेंसलीन की राह खुल गई।

अमेरिकी संगीतकार कर्ट कोबेन का मानना है, 'किसी और जैसा बनने की इच्छा, दरअसल खुद के व्यक्तित्व को व्यर्थ जाने देना है।' लोगबाग दूसरों पर दबदबा जमाने के लिए आत्मग्लानि का एहसास जगाने से बाज नहीं आते। साथ ही, अपनी कमज़ोरियों पर पर्दा डालने का प्रयास करते नहीं थकते। दिमाग़ी सोच है, जिसमें खासी ऊर्जा खपती है। इसके नकारात्मक प्रभाव को जानने के बाद बचना अत्यंत ज़रूरी हो जाता है। और अगर कोई हमेशा स्वयं की दूसरों से तुलना करे, तो वह स्वयं ही अहंकार या ईर्ष्या का शिकार हो जाएगा। बात-बेबात पर खुद को कोसना छोड़ दीजिए। अपनी सीमाओं में रह कर, बेफ़िक्री से सारे काम कीजिए, जो दूसरों को ठेस न पहुंचाएं।

हर इनसान के लिए चित्त की आजादी, नैतिक आचरण और सदाचार का सिद्धांत अलग-अलग हो सकता है। यानी हर इनसान को अपने देश, धर्म और परिवार के मद्देनज़र एक लक्ष्मण रेखा खींचनी होगी। तभी पूर्ण सदाचार के नियम-क़ायदे तय होंगे। इस रेखा से परे हर इनसान को आज़ादी है, मनमज़ी करने की छूट है। सयाने कहते हैं कि खुद को न दोष देना चाहिए, न ही तारीफ़ करनी चाहिए। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और विचारक अब्राहम लिंकन काम करने की अपनी धीमी रफ्तार पर यूं तसल्ली देते हैं, 'मैं धीमा चलता हूं तो क्या, पर कभी वापस नहीं आता।'

दरअसल हर किसी की काम करने की अपनी गति होती है। अगर आपको किसी काम में दूसरों से अधिक समय लग रहा है, तो इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे हैं। विद्यार्थी की तरह सीखते हुए आगे बढ़ेंगे, तो खुद दुरुस्त होते जाएंगे, सुधार निरंतर जारी रहेगा। ओशो इस प्रवृत्ति को दुःख-सुख से जोड़ते हैं, कहते हैं, 'तुम्हारा दुःख अत्यन्त गम्भीरता की वजह से है। गम्भीर चित्त से तुम सुखी हो ही नहीं सकते। जिंदगी को एक नाटक या कहानी की तरह लो। उत्सव मनाने वाला चित्त ही सुखी करता है।' जगज़ाहिर है कि बेपरवाह होकर, खींची गई तस्वीर हमेशा अधिक सहज आती है।

ऑनलाइन गेम

जानलेव शौक का मकड़जाल

पूनम नेगी

पिछले हफ्ते मध्य प्रदेश के छतरपुर में ऑनलाइन गेम में 40 हजार रुपये गंवाने वाले 13 वर्षीय एक बच्चे ने मां की डांट से क्षुब्ध होकर फांसी लगा ली। पिछले महीने दिल्ली के प्रीत विहार निवासी 12 साल के एक बच्चे को ऑनलाइन गेम की ऐसी लत लगी कि गेम में हथियार खरीदने के लिए उसने पिता के पैसे व मां के गहने चुरा लिए। छत्तीसगढ़ में बीते दिनों 11-12 साल के बच्चे ने ऑनलाइन गेम अपग्रेड करने के लिए 3 महीनों में 278 बार 3.22 लाख रुपये का ट्रांजैक्शन किया। पहले यह मामला ऑनलाइन ठगी का माना जा रहा था, लेकिन जब जांच की गई तो मामला ऑनलाइन गेमिंग का निकला। काफी लंबी फेहरिस्त है ऐसे मामलों की।

कोरोना महामारी के इस दौर में आनलॉइन पढ़ाई के लिए बच्चों के हाथ लैपटॉप व हाईटेक मोबाइल क्या आए, इंटरनेट गेमिंग ने उनकी दुनिया ही बदल दी। आज देश में पबजी, पोकेमॉन गो, टेंपल रन, सबवे सर्फर या एंग्री बड़र्स आदि खेलने वाले बच्चों की संख्या करोड़ों में है। ऑनलाइन गेमिंग की लत कितनी खतरनाक है, उपरोक्त उदाहरण इसकी बानगी हैं। गौरतलब हो कि ऐसे बच्चों द्वारा जिन गेम्स के लिए पैरेंट्स के अकाउंट से पैसे निकले हैं, उनमें ज्यादातर फाइटिंग गेम्स हैं। गेम्स कंपनियां पहले बच्चों को 'गरेना फ्री फायर' व 'बैटल गेम' जैसे हिंसक खेल पहले मुफ्त में खिलाती हैं, फिर अच्छे हथियार के लालच और प्वॉइंट्स के लालच में बच्चे अनैतिक कदम उठाने लगते हैं। हैरानी की बात है कि बीते एक साल में 'गरेना फ्री फायर गेम्स' को प्ले स्टोर से 100 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया गया है। मनोचिकित्सक डॉ अमित शाही की टिप्पणी काबिलेगौर है कि कोरोना महामारी ने बच्चों से पहले उनका स्कूल छीना, फिर पढ़ाई। पांच से 17 वर्ष के बड़ी तादात में बच्चे इंटरनेट गेमिंग एडिक्शन का शिकार हैं। अभिभावक टोकते हैं, तो बच्चे खाना-पीना छोड़ देते हैं। उनका व्यवहार चिड़िचड़ा व गुस्सैल हो रहा है। उनके पास हर सप्ताह पांच से छह ऐसे केस आते हैं। डॉ शाही के मुताबिक ऑनलाइन खेलों की लत नशीले पदार्थ के सेवन से कम खतरनाक नहीं है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे मानसिक बीमारियों की सूची में शामिल किया है। साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि पैरेंटरल कंट्रोल सॉफ्टवेयर की मदद से बच्चों की ऐसी करतूतों को रोका जा सकता है। मां-बाप चाहिए कि वे जिस फोन में ऑनलाइन पेमेंट की एप है, उसे बच्चों को न दें। ट्रांजैक्शन लिमिट तय करें व ओटीपी आदि को लेकर सचेत रहें। बच्चा कौन सा गेम और कितने देर तक खेल रहा है? इसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें। टेक्नॉलजी और ऑनलाइन फॉड जैसी बातों से भी बच्चों को जागरूक रखें। जानकारों की मानें तो इन ऑनलाइन खेलों की आड़ में जुआ भी खेला जा रहा है, जिसकी जद में बच्चे भी हैं। जहां ज्यादातर ऑनलाइन गेम फ्री होते हैं वहीं ऑनलाइन गैंबलिंग के लिए पहले पैसों की शर्त लगाई जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 40 फीसदी इंटरनेट यूजर्स जुआ खेलते हैं। ऐसा ही रहा तो हम जल्द ही इस मामले में यूके को बहुत पीछे छोड़ देंगे। पोर्नोग्राफी मामले में फंसे शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ऑनलाइन गेम के नाम पर 300 करोड़ रुपये की ठगी के भी आरोपी हैं। एक हालिया सर्वेक्षण में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि इंटरनेट-मोबाइल का इस्तेमाल करने वाली देश की 80 करोड़ से अधिक की आबादी में से दो-तिहाई लोग नियमित रूप से वीडियो-मोबाइल गेम्स खेलते हैं। इस तेजी से बढ़ रही जनरुचि के चलते देश में डिजिटल गेम्स का बाजार पूरे उफान पर है। ऑनलाइन गेमिंग से राजस्व में भी काफी इजाफा हुआ है।

जहां पिछले साल यह 6,500 करोड़ रुपये था वहीं अब बढ़कर 7,700 करोड़ रुपये तक हो गया है, लेकिन इस आभासी दुनिया के खतरे भी बड़े हैं। इन्हीं के मद्देनजर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने तमाम अभिभावकों की शिकायत पर बच्चों में हिंसा, जुआ, सट्टेबाजी और शोषण की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहीं इन गेमिंग साइट्स को नोटिस जारी कर दिशा-निर्देश स्पष्ट करने को कहा है। इसी क्रम में दिल्ली हाई कोर्ट ने भी केंद्र सरकार को उस ज्ञापन पर विचार करने का निर्देश दिया है जिसमें 'ऑनलाइन गेमिंग की लत' से बच्चों की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का आग्रह किया गया है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

हिमाचल विधान सभा में विपक्ष ने फिर किया हंगामा, नहीं चली कार्रवाई

शिमला, 9 अगस्त **(एजेंसी)।** हिमाचल विधान सभा सोमवार को एक मर्तबा फिर हंगामे की साक्षी बनी। प्रश्न काल के बाद कांग्रेस विधायक डॉ धनी राम शांडिल को प्वाइंट ऑफ ऑर्डर के तहत मामला उठाने की अनुमति न मिलने से बिफरे विपक्ष ने सदन में नारेबाजी की। विधान सभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार द्वारा व्यवस्था दिए जाने पर भी विपक्ष के सदस्य शांत नहीं हुए। इस दौरान सदन में सत्ता पक्ष व विपक्ष आमने सामने हो गए, दोनों पक्षों के मध्य तीखी नोक झोंक सदन में देखी गई।

विपक्ष के शोर-शराबे के बीच नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री यह कहते हुए सुने गए कि सदन में एक तरफा काम नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे विषयों को उठाने के लिए जब तक शून्य काल अथवा किसी और तरह की व्यवस्था न होने तक विपक्ष को मुद्दा उठाने के लिए प्वाइंट ऑफ ऑर्डर की वर्तमान परंपरा को जारी रखा जाए।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इस पर कहा कि प्वाइंट ऑफ आर्डर के तहत गैर जरुरी विषयों को उठाया जाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल में आए सवालों को लेकर बाद में स्पष्टीकरण लिया जाना और एक साथ 2-3 विषयों को उठाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा ऐसे विषयों को उठाने के लिए जब तक शून्यकाल या अन्य तरह की व्यवस्था नहीं की जाती , तब तक ऐसी अनुमति नहीं दी जा सकती।

विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने कहा कि विपक्षी कांग्रेस से सवाल पूछते हुए कहा कि आपके दल का नेता कौन है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पहले यह तय करके आना चाहिए कि किसको मामला उठाना है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष की तरफ से मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अपना पक्ष रखते हैंए लेकिन विपक्ष की तरफ से नेता प्रतिपक्ष के बोलने के लिए उठने के साथ ही तीन चार सदस्यों के हाथ खड़े हो जाते हैं।

विपक्ष के हंगामे के बीच सत्ता पक्ष की तरफ से संसदीय कार्यमंत्री सुरेश भारद्वाज ने मोर्चा संभाला। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि आसन को इंगित कर कहे गए शब्दों को लेकर विपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इसके बाद सदन में तीखे शब्द बाण चले। भारद्वाज ने विधान सभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार से सत्ता पक्ष के नरेंद्र ठाकुर व विपक्ष के डॉ धनी राम शांडिल को प्वाइंट ऑफ ऑर्डर के तहत अपनी बात रखने का मौके देने का आग्रह किया। नेता प्रतिपक्ष यह भी कहते हुए सुने गए कि एक बार उन्होंने सदन में क्या किया था। संसदीय मामलों के मंत्री ने इस पर कहा कि पहले एक बार वह सदन से निष्कासन का फल भुगत चुके हैं, लेकिन विपक्ष ने तो राज्यपाल तक के वाहन को रोका और उसका परिणाम विपक्ष ने भी भोगा है। संसदीय कार्यमंत्री के आग्रह के बाद विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने पहले सत्तापक्ष की तरफ से विधायक नरेंद्र ठाकुर और बाद में विपक्ष के विधायक डॉ धनीराम शांडिल को अपना पक्ष रखने का मौका दिया।

नरेंद्र ठाकुर ने प्रश्नकाल के दौरान आपदा प्रबंधन से जुड़े विषय को लेकर राजस्व मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर से स्पष्टीकरण मांगा। इसके बाद डॉ धनीराम शांडिल ने दिव्यांगों को सदन में मुख्यमंत्री से मिलने के लिए रोके जाने , उनकी पदोन्नति संबंधी मामले , तिरंगा यात्रा निकाले जाने और पैंशनरों से जुड़ी मांगों को उठाया।

सत्ता के नशे में अमर्यादित व अशोभनीय टिप्पणी कर रहे विधानसभा अध्यक्ष: कुलदीप

हिसार, 9 अगस्त **(एजेंसी)।** कांग्रेस केन्द्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं विधायक कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता सत्ता के नशे में चूर होकर अमर्यादित एवं अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। जिस पार्टी का इतिहास ही धोखा व फरेब का रहा हो, उस पार्टी के लोगों से उम्मीद भी यही की जा सकती है।

विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि लोग कहते हैं कि ज्ञानचंद गुप्ता मंदबुद्धि है और अब यह साबित भी हो गया है। जब वे पहले ही विधानसभा कमेटियों का हिस्सा बनने से मना कर चुके हैं और कमेटियों से इस्तीफा दे चुके हैं तो वे मुझे क्या हटाएंगे, उनकी मंदबुद्धि यहां भी साबित होती है, वे मुझे कानून ना सिखाएं। वे उनसे कहीं ज्यादा वरिष्ठ हैं और कानून अच्छी से समझते भी हैं तथा कई बार लोकसभा में कानून बनाते वक्त प्रक्रिया का हिस्सा भी रहे हैं। स्पीकर को ज्ञात होना चाहिए कि वे चार चुनाव नहीं, अभी तक छह चुनाव जीते हैं, जिनमें दो लोकसभा भी शामिल हैं। छह चुनाव जीतना घमंड नहीं मेरा स्वाभिमान तथा जनता का आशीर्वाद है। लोगों के समर्थन से वे तो अगली बार भी विधानसभा में दिखेंगे, लेकिन स्पीकर कहां पर होंगे इसका पता नहीं है। जिस पद पर आज वे बैठे हैं, वहां तक वे मेरा सहारा लेकर ही पहुंचे हैं।

लोग कहते हैं कि ज्ञानचंद गुप्ता मंदबुद्धि है और अब यह साबित भी हो गया है। जब वे पहले ही विधानसभा कमेटियों का हिस्सा बनने से मना कर चुके हैं और कमेटियों से इस्तीफा दे चुके हैं तो वे मुझे क्या हटाएंगे:- कुलदीप बिश्नोई, नेता कांग्रेस

कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि जिस भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा में कोई पूछता नहीं था और उनके नेता मेरे आगे-पीछे घूमते थे उसको सत्ता की राह भी हमने ही दिखाई थी। आज मैं ये चैलेंज करता हूं जहां से मैंने हरियाणा में भाजपा की शुरूआत करवाई थी, हरियाणा की जनता के सहयोग से उसी जगह वापिस उन्हें लेकर जाएंगे। दिखावे, झूठ, फरेब और ढोंग की राजनीति भाजपा करती है, जिसका गवाह मैं स्वयं भी हूं, स्व. बंसीलाल और ओमप्रकाश चौटाला भी रहे हैं। मैंने हमेशा सिद्धांतों और ईमानदारी की राजनीति की है। बात 10 हजार की नहीं है बात सिद्धांतों की है। आज भाजपा नेताओं की हालत ये हो गई है कि किसी हलके में वे जा नहीं सकते और लोगों से मुंह छिपाते फिर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुष्कर दत्त के काव्य संग्रह 'पुष्कर के उद्गार' का विमोचन

हिसार। कवि पुष्कर दत्त के काव्य संग्रह 'पुष्कर के उद्गार' का आज प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी राजेश केडिया ने श्री कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल सिवानी के सभागार में विमोचन किया। विमोचन समारोह में प्रिंसीपल एसएस बल्हारा के अलावा अनेक शिक्षाविद, बुद्धिजीवी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रिंसीपल एसएस बल्हारा ने कार्यक्रम का संचालन किया व अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि राकेश केडिया ने कहा कि पुस्तक में जीवन के विभिन्न पहलुओं को बड़ी ही सुंदरता व सरलता के साथ पिरोया गया है। काव्य संग्रह के प्रकाशन से इनका कवि हृदय का उजागर हुआ है। इंजीनियरिंग से सीधे लेखन में जाकर उन्होंने अपनी छिपी हुई प्रतिभा को व्यक्त किया है। उन्होंने पुष्कर दत्त को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें आशा है कि वे भविष्य में भी अपनी लेखनी से इसी प्रकार कविताओं का सृजन करते रहेंगे। पुष्कर दत्त ने लेखन के क्षेत्र में आने के अपने अनुभव को सांझा करते हुए पुस्तक के प्रकाशन में सहयोग में देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवी एवं उद्योगपति राकेश केडिया, स्कूल के प्रिंसीपल एसएस बल्हारा, टेगोर एजुकेशन सोसायटी से सुरेंद्र श्योराण व सुरेंद्र खिचड़, होमसिंह एसडीओ तथा अन्य सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मनोहर लाल शर्मा पूर्व सरपंच हरजनपुरा, सीताराम शास्त्री शिक्षाविद्, विजय कुमार ऑनरी रिटायर्ड कैप्टन इंडियन आर्मी, विष्णुदत्त, दिनेश, वेंकटेश, यमन आदि मौजूद रहे।

दृष्टिहीनों ने किया विधानसभा का घेराव

शिमला। हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ ने विभिन्न विभागों में रिक्त पद भरने की मांग को लेकर आज यहां विधानसभा का घेराव किया और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ के सदस्य हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों में रिक्त पद जल्द भरने की मांग कर रहे। संघ के समन्वयक कुलदीप ठाकुर ने बताया कि नवम्बर 2019 में राज्य के मुख्य सचिव के साथ संघ की बैठक हुई थी जिसमें तीन माह के भीतर बैकलॉग भरने की बात कही गई थी लेकिन अब तक इस पर अमल नहीं हुआ। ऐसे में दृष्टिहीनों को मजबूरन विधानसभा का घेराव करना पड़ रहा है।

पेपर लीक मामले की जांच करवाई जाए : अभय चौटाला

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) नेता अभय सिंह चौटाला ने आज मांग की कि हरियाणा में पुलिस कांस्टेंबल भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले की आयोग बनाकर जांच की जाए। उन्होंने यहां जारी बयान में कहा कि प्रकरण की कमीशन ऑफ इंकवायरी एक्ट के तहत आयोग बनाकर जांच करवाई जानी चाहिए। श्री चौटाला ने आरोप लगाया कि सरकार के संरक्षण के बिना पेपर लीक होना असंभव है। इनेलो के प्रधान महासचिव ने कहा कि पेपर लीक मामला बेहद गंभीर है और जनता के सामने सच्चाई आना बेहद जरुरी है।

सुडोकू 5566 का हल

3	2	5	4	9	8	1	7	6
7	1	8	5	6	2	3	4	9
9	6	4	3	1	7	8	2	5
8	9	6	2	3	1	4	5	7
2	5	3	7	4	9	6	8	1
1	4	7	6	8	5	2	9	3
5	7	1	8	2	3	9	6	4
6	8	9	1	5	4	7	3	2
4	3	2	9	7	6	5	1	8

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने एफडीसीआई के साथ द शोकेस के दूसरे एडिशन से उठाया पर्दा

- ईवेंट का उद्देश्य नई प्रतिभाओं को उभारना
- द शोकेस प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा, और उन्हें प्राइड के साथ अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा

हिसार, 9 अगस्त **(एजेंसी)।** फैशन और डिजाइन की दुनिया में प्रतिष्ठित, ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) के साथ द शोकेस के दूसरे एडिशन से पर्दा उठा दिया है। इस ईवेंट का उद्देश्य नई प्रतिभाओं को उभारना और उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करना है। द शोकेस को फैशन डिजाइनर्स, शटरबग्स, मॉडल और कंटेंट क्रिएटर्स जैसी सभी चार श्रेणियों में नई प्रतिभाओं को खोजने के लिए भारत का अग्रणी प्लेटफॉर्म बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। अपने अनूठे अंदाज में, द शोकेस प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा, और उन्हें प्राइड के साथ अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। कैरियर को नई ऊंचाई प्रदान करने के लिए, विजेता प्रतिभाओं को ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर के अगले एडिशन में अपने काम का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है।

द शोकेस फैशन बिरादरी के कई दिग्गजों की मौजूदगी का गवाह बनेगा। ये दिग्गज यहां जूरी मेंबर, मेंटर, मुख्य वक्ता और एक्टिव फैशन प्रमोटर्स की भूमिका में दिखाई देंगे। इस जबर्दस्त जूरी में एफडीसीआई के अध्यक्ष सुनील सेठी, अभिनेता और स्टाइल आइकन नेहा शर्मा, डिज़ाइन के महारथी गौरव गुप्ता, मशहूर कंटेंट क्रिएटर मासूम मीनावाला, सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट शालिना नथानी और बॉलीवुड के लीडिंग शटरबग राहुल झंगियानी शामिल होंगे। फैशन उद्योग के दिग्गज नाम जैसे अमित अग्रवाल, अंजू मोदी, जे जे वलाया, नम्रता जोशीपुरा, राहुल मिश्रा, शांतनु और निखिल, सुनीत वर्मा, अब्राहम और ठाकोर, रीना ढाका और कुणाल रावल प्रतियोगिता के दौरान प्रतिस्पर्धी टीमों का मार्गदर्शन करेंगे।

इस घोषणा के संबंध में बात करते हुए, पर्नोड रिकार्ड इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, कार्तिक मोहिंद्रा ने कहा, 'यह बेहद खुशी की बात है कि हम एफडीसीआई के सहयोग से ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर 'द शोकेस' के दूसरे एडिशन को लॉन्च करने की घोषणा कर रहे हैं।

कोरोना के बढ़ते मामले चिंताजनक: जयराम

शिमला, 9 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने राज्य में कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अगर इन पर नियंत्रण नहीं हुआ तो जल्द ही कड़े कदम भी उठाये जा सकते हैं। श्री ठाकुर ने आज यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि कोरोना के मामले राज्य में 850 के आसपास पहुंच गये थे तो अब बढ़ कर फिर से 1962 तक पहुंच गये हैं। उन्होंने बताया कि चम्बा जिले में 443, मंडी 405, शिमला 284, कांगड़ा 255, हमीरपुर 167 और कुल्लू में कोरोना के 146 सक्रिय मामले हैं। एक अन्य प्रश्न पर उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को लेकर राज्य में प्लास्टिक के तिरंगे के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। लोग अपनी जिम्मेदारी समझते हुए प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें। राज्य में पहले ही प्लास्टिक पर प्रतिबंध है। उन्होंने कहा कि स्कूल बंद करने या अन्य बातों पर मंगलवार को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला लिया जाएगा। इस सम्बंध में सम्बंधित अधिकारियों से कोरोना को लेकर रिपोर्ट मांगी गई है और इसका आंकलन करने के बाद ही स्कूलों के बारे में फैसला लिया जाएगा क्योंकि स्कूलों से भी कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं।

संस्थान की बेहतरीन कार्यकुशलता में कर्मचारियों के प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका : कुलपति कम्बोज

हिसार, 9 अगस्त **एजेंसी ।** किसी भी संस्थान की प्रगति व उन्नति में वहां कार्यरत कर्मचारियों का अहम भूमिका होती है, इसलिए कर्मचारियों की बेहतरीन कार्यकुशलता, उनके व्यक्तिगत और संगठनात्मक कौशल विकास, संस्थान के संपूर्ण सेवा नियमों व आधुनिक तकनीकों की जानकारी के लिए प्रशिक्षणों का आयोजन बहुत ही जरूरी है। संस्थान को उच्च शिखर पर पहुंचाने में वहां कार्यरत कर्मचारी आधार स्तंभ का काम करते हैं।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने कही। वे वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधान प्रबंध निदेशालय के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन अकादमी की ओर से आयोजित कर्मचारी प्रशिक्षण सलाहाकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणों के माध्यम से कर्मचारियों को किसी भी संस्थान की रूपरेखा, कार्यक्षेत्र, गतिविधियों, नियमों, कानूनों सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया जाता है ताकि उन्हें अनुसंधान, विस्तार, शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों के कुशल संचालन में किसी भी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। प्रशिक्षणों के माध्यम से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आधुनिक तकनीकी बदलावों व अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों की अपडेट मिलती रहती है जो कार्य कुशलता को बढ़ाने में मददगार होते हैं। इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली से डॉ. सीमा जग्गी, अतिरिक्त महानिदेशक, मानव संसाधन विकास और डॉ. संजीव गुप्ता, अतिरिक्त महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन) ने भी अपने विचार रखे।

इन विषयों पर दिए जाते हैं प्रशिक्षण

निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने अकादमी की वार्षिक रिपोर्ट और उपलब्धियां प्रस्तुत की तथा अगले वर्ष (2021-2022) के प्रशिक्षण का कैलेंडर प्रस्तावित किया। उन्होंने बताया कि मानव संसाधन प्रबंध निदेशालय में सांख्यिकी तकनीकों, इंडक्शन प्रशिक्षण, विस्तार प्रबंधन, संचार तकनीकों, अनुसंधान प्रबंधन, कंप्यूटर के मूलभूत जानकारी के लिए प्रशिक्षण, गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए अकांउट एवं सामान्य सेवा नियमों की जानकारी सहित कई प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाते हैं।

मालवा में बसपा, कांग्रेस और शिअद के नेता भाजपा में शामिल

चंडीगढ़, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब मालवा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल के अनेक नेता और कार्यकर्ता आज अपने राजनीति दल छोड़ कर पंजाब प्रदेश भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने पार्टी मुख्यालय में इन नेताओं और कार्यकर्ताओं का पार्टी में शामिल होने पर स्वागत करते हुये इन्हें पूरा मान सम्मान प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 'सबका-साथ-सबका विकास' के नारे, केंद्र सरकार की किसान हितैषी और जन-हितैषी नीतियों को घरातल पर सार्थक होता देख कर अनेक राजनीतिक और सामाजिक के नेता भाजपा का दामन थम रहे हैं। भाजपा में शामिल होने वाले ये नेता बसपा के पूर्व विधायक बलदेव सिंह भट्टी(धर्मकोट), पूर्व चेयरमैन विमुक्त जाति भलाई बोर्ड और शिअद नेता मंजीत बुट्टर, फरीदकोट के रामोआना गांव से कांग्रेस के पूर्व सरपंच जसविंदर सिंह, फाजिल्का के सीतो गन्नू गांव कांग्रेस के पूर्व सरपंच रविंदर सिंह, मुक्तसर के रुपाना गांव के समाज सेवक और विमुक्त जाति संघ पंजाब के उपाध्यक्ष सुखमंदर सिंह, फरीदकोट के देवीआला गांव के वरिष्ठ शिअद नेता नेता जसविंदर सिंह, मोगा के माड़ी गांव के अकाली दल के विमुक्त जाति विंग जिलाध्यक्ष गुरदेव सिंह चौहान, मोगा के अरोड़ा वंश सभा के महासचिव संजीव ग्रोवर तथा जगराओं हलका सिवियां के डॉ. राज पाल हैं।

कर्मचारियों व आम जनता के हितों के खिलाफ नीतियां बना रही सरकार: महासंघ

हिसार, 9 अगस्त **(एजेंसी)।** केंद्रीय संगठनों के आह्वान पर संविधान बचाओ देश बचाओ कार्यक्रम के तहत आज हरियाणा कर्मचारी महासंघ व अन्य कर्मचारी संगठनों ने क्रांतिमान पार्क में जनसभा की और दो घंटे विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में एआईटीयूसी, खेत मजदूर सभा, हरियाणा कर्मचारी महासंघ, बैंक एफसीआई, जीजेयू, लघु सचिवालय, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, रोडवेज, बीएसएनएल आदि विभागों के कर्मचारी संगठनों भाग लिया। प्रदर्शन की अध्यक्षता हरियाणा कर्मचारी महासंघ के जिला प्रधान अमृत शर्मा व कामरेड रूप सिंह ने संयुक्त रूप से की। प्रदर्शन के दौरान मंच संचालन महासंघ के जिला सचिव देशराज वर्मा ने किया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला प्रधान अमृत शर्मा, अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन एमएल सहगल, सत्यवान बधाना व राजपाल नैन ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार आज बिजली बिल 2021 में पेश करने जा रही है, जिसका हम कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों, किसानों, युवाओं व आम जनता के हितों के खिलाफ नीतियां बनाने का काम कर रही है। कर्मचारियों के हितों की अनदेखी करते हुए लगातार कर्मचारी विरोधी निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि सरकार विभागों में रिक्त पड़े पदों पर स्थाई भर्ती करने की बजाय विभागों को निजीकरण की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा कर्मचारी महासंघ कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने और समान काम समान वेतन आदि मुद्दों को लगातार उठा रहा है लेकिन सरकार इन मुद्दों की लगातार अनदेखी कर रही है।

केन्द्र व प्रदेश सरकार की खेल हितैषी नीतियों के चलते खिलाड़ियों ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन : कैप्टन भूपेन्द्र

हिसार, 9 अगस्त **(एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र ने टोक्यो ओलंपिक में विजयी भारत के खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की खेल हितैषी नीति की वजह से भारत के खिलाड़ियों ने ओलंपिक में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने भाला फेंक में गोल्ड मेडल जीतने वाले हरियाणा के नीरज चौपड़ा को बधाई दी वहीं अन्य मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की।

भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में भारत के खिलाडियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करके जता दिया है कि मजबूत इच्छाशक्ति व परिश्रम के बल पर कोई भी मंजिल हासिल की जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार खेल व खिलाड़ियों की सुविधा के लिए लगातार प्रयास कर रही है। यह केन्द्र सरकार की खेल नीति का ही परिणाम है कि भारत के इतने खिलाड़ियों का प्रदर्शन श्रेष्ठ से श्रेष्ठ रहा है। भारत के नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में देश को गोल्ड मेडल दिलवाया है वहीं अन्य खिलाडियों ने कांस्य व सिल्वर मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा दिखाई है। उन्होंने कहा कि भारत की हॉकी टीम, खासकर महिला हॉकी टीम का प्रदर्शन मैच जीतने से कम नहीं रहा। हालांकि हमारी हॉकी टीम ओलंपिक में मेडल नहीं जीत पाई लेकिन टीम ने अपने बेहतर प्रदर्शन से हर देशवासी का मन मोह लिया।

कैप्टन भूपेन्द्र ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की उकृष्ट व खेल हितैषी नीति के परिणामस्वरूप ही भारत के खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न किए जाने का भी स्वागत किया और कहा कि ऐसा करके केन्द्र सरकार ने खिलाडियों का सम्मान किया है। खिलाड़ियों के नाम पर पुरस्कार होने से उनका हौंसला बढ़ेगा और वे पहले से ज्यादा श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष ने पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए खेल हितैषी नीतियां बनाने पर केन्द्र व हरियाणा सरकार का आभार जताया।

सम्बोधन *नई शिक्षा नीति से पूरे देश में एक नए युग की शुरूआत हुई*

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला हरियाणा पहला राज्य: दत्तात्रेय

चंडीगढ़, 9 अगस्त (एजेंसियां) । हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने कहा है कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' लागू करने वाला हरियाणा पहला राज्य है तथा इस नई शिक्षा नीति से पूरे देश में एक नए युग की शुरुआत हुई है तो देश का नव-निर्माण करने के साथ ही युवाओं का भविष्य भी स्वर्णिम करेगी। श्री दत्तात्रेय ने राजभवन में हरियाणा के विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं कुलसचिवों की एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुये यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और शिक्षा मंत्री कंवर पाल भी उपस्थित थे। राज्यपाल कहा कि शिक्षा की क्रान्ति में सभी को बढ़-चढ़ कर भाग लेना है और राष्ट्रहित में देश के भविष्य को नई शिक्षा नीति के अनुरुप ढालने का सकारात्मक प्रयास करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को देश में सफलतापूर्वक लागू करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है जिसके तहत विश्वविद्यालयों में वर्तमान समयानुसार रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे पाठ्यक्रम शुरू कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस नीति में बहु स्तरीय प्रवेश एवं निकासी व्यवस्था लागू की गई है जो कि छात्रों के लिए हितकर होगी। इसकी यह भी विशेषता है कि इसमें वैज्ञानिक एवं सामाजिक अनुसंधान कार्यों को 'नैशनल रिसर्च फाउडेशन'' बनाकर नियंत्रित किया जाएगा, जिससे शोद्यार्थियों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध होंगी। नई शिक्षा नीति में सांकेतिक एवं चिन्हित भाषा का प्रयोग, एक भारत-श्रेष्ठ भारत तथा वन नेशन-वन डिजिटल प्लेटफार्म आदि कार्यक्रमों को भी पूरी तरह लागू किया गया है।

श्री खट्टर ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं कुलसचिवों का आह्वान किया कि वे शिक्षा को उच्च स्तर पर ले जाने का मुख्यध्येय बनाएं और उसे निर्धारित समयावधि में पूरा करें ताकि इसका लाभ प्रदेश के हर युवा को मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति के सारे प्रावधान 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है तथा इसे हासिल करने में विश्वविद्यालयों का अहम योगदान रहेगा। मेडिकल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, उच्चतर शिक्षा का स्तर कैसे ऊंचा उठाया जाए इसके लिए विश्वविद्यालयों को पहल करनी होगी।

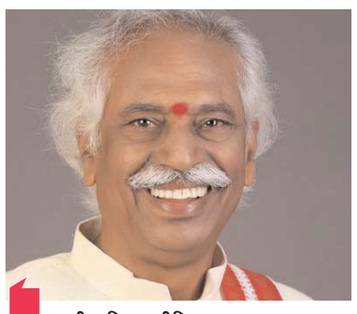

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' लागू करने वाला हरियाणा पहला राज्य है तथा इस नई शिक्षा नीति से पूरे देश में एक नए युग की शुरूआत हुई है तो देश का नव-निर्माण करने के साथ ही युवाओं का भविष्य भी स्वर्णिम करेगी:-हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को पूर्व विद्यार्थियों का डाटा एकत्रित कर उनसे तालमेल स्थापित कर हर विश्वविद्यालय स्तर पर मिलन समारोह आयोजित करने के प्रयास करने चाहिए। विश्वविद्यालयों को सैल्फ फाईनैंसिंग के प्रशिक्षण शुरू करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सैल्फ फाईनैंसिंग में जो गरीब विद्यार्थी हैं उनकी फीस हरियाणा सरकार वहन करेगी। नकल पर अंकुश लगाने के लिए विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन और अुनसंधान करने तथा नकल की प्रवृति को रोकने के लिए नई तकनीक विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा सकारात्मक ढंग से अपने ज्ञान को बढ़ाएंगे तो उनके ज्ञान का सदुपयोग हो सकेगा। विद्यार्थियों की उर्जा को समाजसेवा के साथ जोड़ें और उसका सम्बन्ध परीक्षा से भी बनाएं, ताकि विद्यार्थियों की रूचि समाजसेवा से जुड़े और उनकी प्रवृति निस्वार्थ भाव काम करने की बने।

बिजलीकर्मियों का कार्य बहिष्कार आंदोलन वापस

चंडीगढ़, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिजली संशोधन विधेयक के संसद के मानसून सत्र में पेश न होने की संभावना के कारण बिजलीकर्मियों ने विधेयक के खिलाफ कल (मंगलवार, 10 अगस्त) के कार्य बहिष्कार आंदोलन को वापस लेने की घोषणा आज की। बिजली कर्मचारियों व इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति ने यह निर्णय आज एक ऑनलाइन बैठक में लिया। यह जानकारी देते हुए ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) के प्रवक्ता विनोद गुप्ता ने बताया कि विधेयक अब तक संसद में पेश नहीं किया गया और अब इसकी संभावना कम ही है, इस कारण उक्त निर्णय लिया गया। श्री गुप्ता ने कहा लेकिन यदि विधेयक इस सत्र में पेश किया गया तो बिजलीकर्मी व इंजीनियर उसी दिन कार्य का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने बताया कि बिजलीकर्मी व इंजीनियर हालांकि कल एक घंटे का विरोध प्रदर्शन करेंगे दिल्ली में चार दिवसीय सत्याग्रह के दौरान सरकारी ज्यादतियों के खिलाफ। श्री गुप्ता ने दावा किया कि 11 गैर-भाजपा शासित राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों ने विधेयक को 'जनविरोधी' करार देते हुए और केंद्र सरकार के मनमाने निर्णय का नतीजा करार देते हुए इसे संसद में पेश करने का विरोध किया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री जहां इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिख चुकी हैं वहीं केरल विधानसभा में विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया है।

प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल । मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा परिसर में आयोजित बांस आधारित फाइबर बोर्ड से बने उत्पादों की प्रदर्शनी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। गृह एवं संसदीय कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा भी उपस्थित थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। बांस को लकड़ी के विकल्प के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से बांस आधारित इंजीनियर्ड बोर्ड द्वारा निर्मित उपभोक्ता उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। आर्टिसन एग्रोटेक प्रायवेट लिमिटेड इंदौर द्वारा दरवाजे, शयन कक्ष, भोजन कक्ष, बाथरूम के लिए फर्नीचर और रसोई उत्पाद बनाए जाते हैं। हरा-भरा और टिकाऊ अर्थतंत्र विकसित करने के उद्देश्य से आरंभ की गई इस पहल से किसानों की आय में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

विधानसभा में आज पेश होंगे अनुपूरक बजट सहित छह विधेयक

भोपाल । मप्र विधानसभा में मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2021-22 की अवधि का प्रथम अनुपूरक बजट पेश होगा। इसी के साथ एक दर्जन विधेयक भी पेश होंगे। विधेयक मंगलवार को ही पारित कर दिए जाएंगे। अनुपूरक बजट लगभग 15 हजार करोड़ रुपए अनुमानित है। इसमें हाल ही में प्रदेश के ग्वालियर और चंबल संभाग में बाढ़ और भारी बारिश के बाद उपजे हालात और राहत कार्य के लिए राशि का इंतजाम किया जाएगा। इसके अलावा ऊर्जा विभाग के लिए भी एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि का बंदोबस्त किया जाएगा। इसी तरह लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए भी भरपूर राशि का इंतजाम होगा। इसी तरह जो महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे, उनमें मप्र नगरपालिक विधि संशोधन विधेयक - 2021, मप्र आबकारी संशोधन विधेयक - 2021, मप्र संशोधन अधिनियमों का निरसन विधेयक - 2021, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक - 2021, मप्र माल एवं सेवाकर संशोधन विधेयक - 2021, मप्र विनियोग अधिनियम निरसन विधेयक -2021 शामिल है। मंगलवार सबेरे विधानसभा परिसर में ही कैबिनेट की भी बैठक होगी, जिसमें अनुपूरक बजट को अंतिम मंजूरी दी जाएगी।

सभी 12 विभाग युद्ध स्तर पर राहत और पुनर्वास कार्य करें

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में बाढ़ से बचाव कार्य में 8832 व्यक्तियों को बचाया गया तथा 32 हजार व्यक्तियों को सुरक्षित राहत कैम्पों में पहुंचाया गया है। इस पूरे कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीम के साथ ही हमारी एसडीआरएफकी टीम विशेष बधाई की पात्र है, जिन्होंने जान हथेली पर रखाकर लोगों की जान बचाई। बाढ़ पीड़ितों को राहत एवं उनके पुनर्वास का कार्य पूरी तत्परता और कर्त्तव्यनिष्ठा से किया जाए। हैंड पंप चालू कराए जाएं। संबंधित मंत्रियों के निर्देशन में टास्क फोर्स समिति के सभी 12 विभाग युद्ध स्तर पर राहत और पुनर्वास कार्य करें।

सीएम ने ली टास्क फोर्स की बैठक

मुख्यमंत्री सोमवार को मंत्रालय में बाढ़ राहत के लिए गठित 12 विभागों की टास्क फोर्स समिति की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ले रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बाढ़ से हुए नुकसान का सर्वे सही एवं पारदर्शी हो। राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने क्षति की विस्तार से जानकारी दी। कृषि मंत्री कमल पटेल ने फसलों की क्षति की जानकारी दी।

देवारण्य के क्रियान्वयन के लिए राज्य साधिकार समिति गठित

भोपाल, एजेंसी। राज्य शासन ने अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों के लिए आयुष आधारित आर्थिक उन्नयन योजना देवारण्य के क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं नीति निर्धारण के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य साधिकार समिति का गठन किया है। राज्य साधिकार समिति द्वारा देवारण्य के क्रियान्वयन के लिए रोडमैप का निर्धारण करना, अंतर्विभागीय समन्वय, केंद्र प्रवर्तित व राज्य बजट की योजनाओं तथा अन्य कार्यक्रम के तहत उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का आयुष सेक्टर के विकास के समुचित उपयोग के लिए कार्य-योजना तैयार करेगी। इसके अलावा समिति देवारण्य योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेज सुनिश्चित करने के लिए नीति क्षेत्र जैसे उद्यमी, उद्योग संस्थान, सामाजिक संस्थान आदि की सहभागिता करना, योजना के समस्त विकल्पों एवं संभावनाओं का परीक्षण कर नीति निर्धारण करेगी। इसके साथ समय-समय पर देवारण्य योजना की समीक्षा की जाएगी। अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव वन, जनजातीय कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम, पर्यटन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, विभाग समिति के सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, कान्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री अन्य औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि तथा देश के प्रतिष्ठित आयुष संस्थानों, वैचारिक संस्थानों के प्रतिनिधि समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

संक्षिप्त समाचार

आदिवासियों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रही है कांग्रेस : सीएम

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रही है। विपक्ष ने सदन की परंपरा को तार-तार कर रख दिया है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर का अपमान है और जनता की भावनाओं के साथ विपक्ष का बड़ा खिलवाड़ है। मानसून सत्र के पहले दिन कांग्रेस द्वारा सदन की कार्यवाही प्रारंभ होते ही किए गए हंगामे पर मुख्यमंत्री विधानसभा परिसर में मीडिया को संबोधित करते रहे थे। उन्होंने कहा है कि सत्र के पहले दिन दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी जा रही थी। विधानसभा की दिवंगत सदस्य कलावती भूरिया सूरजभान सहित अनेक स्वर्गीय नेताओं को जब श्रद्धांजलि देने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। तभी विपक्ष ने आदिवासी दिवस को मुद्दा बनाकर हंगामा किया जो सदन की गरिमा के विपरीत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों के बीच भ्रम फैलाने की घटिया राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा है कि आदिवासी दिवस पर सरकार की ओर से एक्छिक अवकाश घोषित गया है। भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसने आदिवासियों के उत्थान के लिए अलग से ट्राईबल विभाग बनाया। भाजपा ही वही पार्टी है जिसने रानी दुर्गावती भीमा नायक शंकर शाह रघुनाथ शाह जैसे वीर पुरुषों के समाधि स्थलों का निर्माण करवाया है। उन्होंने कहा है कि दिग्विजय सिंह के शासनकाल में बैकलॉग के पद नहीं भरे गए। भाजपा ने यह पद भरने के लिए विशेष अभियान चलाया। आदिवासी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गांव गांव आश्रम शाला खोली गई। प्राइवेट कॉलेजों आदिवासी बच्चों की फीस भरने की शुरुआत भाजपा ने ही की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 नवंबर को पूरे प्रदेश में जनजाति गौरव दिवस मनाया जाएगा। आदिवासियों की संस्कृति परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

श्रद्धांजलि पर भी राजनीति कर रही कांग्रेस : मिश्रा

सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस अब सदन में चर्चा से दूर भाग रही है। यही कारण है कि दिवंगत सदस्यों की श्रद्धांजलि पर भी कांग्रेस राजनीति करने पर उतर आई है। उन्होंने कहा है कि सदन नियम प्रक्रिया से चलता है। प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में बाढ़ आई है लेकिन यहां के मुद्दों से कांग्रेस को कोई मतलब नहीं है। जहां जनजाति के लोग भी प्रभावित हुए हैं।

आठ बार का विधायक हूं, ऐसी राजनीति नहीं देखी : शाह

वन मंत्री कुंवर विजय शाह ने विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वह आठ बार के विधायक हैं। पिछले 31 सालों से बाद सदन की कार्यवाही मे हिस्सा ले रहे हैं,लेकिन श्रद्धांजलि के समय विपक्ष की ऐसी राजनीति पहली बार देखी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस के शासनकाल में आदिवासी बच्चे भटकते थे। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य जहां आदिवासी बच्चों की कॉलेजों में 12 लाख रुपए फीस भरने का काम प्रारंभ किया गया। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री हमेशा आदिवासियों के उत्थान के विषय में सोचते हैं।

सदन में कांग्रेस के सभी आरोप निराधार : सिंह

खाद्य मंत्री बिसाहूलाल ने कहा कि मानसून सत्र के पहले दिन कांग्रेस द्वारा सदन में जो आरोप लगाते हुए हंगामा किया है। वह लोकतंत्र की परंपराओं के विपरीत है। मंत्री के अनुसार कांग्रेस का यह कहना गलत है कि आदिवासी दिवस पर सरकार ने छुट्टी घोषित नहीं की। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा एच्छिक अवकाश के आदेश जारी किए गए हैं।

विपक्ष ने किया सदन की मर्यादाओं का अपमान : सारंग

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने विपक्ष द्वारा सदन में किए गए हंगामे को लेकर मीडिया से कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन हो चुकी है। उन्होंने कहा है कि श्रद्धांजलि के समय कांग्रेस द्वारा जो आचरण दिखाया गया है इससे प्रतीत होता है कि विपक्ष को विधानसभा की परंपरा निभाने का अनुभव नहीं है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस शुरू से ही आदिवासियों के नाम पर राजनीति कर रही है लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आदिवासियों के हितों में सबसे अधिक कार्य किए गए हैं।

सरकार ने किया आदिवासियों का अपमान : कमलनाथ

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस पर भाजपा सरकार ने आदिवासियों का अपमान किया है। हमने विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश दिया था,शिवराज सरकार ने उस अवकाश पर रोक लगाई। आदिवासी विरोधी है बीजेपी सरकार। कमलनाथ ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि आदिवासी कोई ठेका और कमीशन के लिए भूखा नहीं है, आदिवासी तो सिर्फ़ सम्मान के लिए भूखा है। आदिवासी दिवस पर हमारी सरकार ने छुट्टी घोषित की थी और हर ब्लॉक में इस दिवस को मनाने के लिए पैसा भी भेजा था, ताकि आदिवासी वर्ग अपना त्यौहार धूमधाम से मना सकें। यह विश्व आदिवासी दिवस है, यह सिर्फ़ मध्यप्रदेश का आदिवासी दिवस नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने तो इसे अब आदिवासी अपमान दिवस बना दिया है, बहुत बड़ा अपमान आज आदिवासी समाज का हुआ है। हमें इस बात का बड़ा दुख है। सवा दो करोड़ आदिवासी वर्ग की बात है अगर छुट्टी कर देते तो क्या फर्क पड़ता।

भाजपा की सरकार आदिवासियों की विरोधी : भूरिया

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं मौजूदा वरिष्ठ विधायक कांतिलाल भूरिया ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आदिवासियों की विरोधी है। यही कारण है कि आदिवासी दिवस पर पूरे प्रदेश में धारा 144 लगाई गई। उन्होंने कहा है कि कमलनाथ की सरकार में आदिवासी दिवस पर छुट्टी घोषित की गई थी जिसे सरकार द्वारा निरस्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा है कि कमलनाथ की सरकार में आदिवासी बच्चों से लेकर महिलाओं के उत्थान की दिशा में अनेक कार्य किए गए।

सरकार ने नहीं दी दिवस मनाने की अनुमति : बच्चन

पूर्व गृहमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक बाला बच्चन ने मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पूरे विश्व में आज आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने यहां आदिवासी दिवस मनाने की अनुमति ही नहीं दी है। उन्होंने कहा है कि सदन में प्रश्नों के जवाब भी नहीं दिए जा रहे हैं। बच्चन के अनुसार उनके चार प्रश्नों में सभी के एक जैसे जवाब आए हैं।

मुख्यमंत्री ने दिवंगतों को अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा के दिवंगत सदस्यों, देश के दिवंगत प्रमुख व्यक्तियों तथा विभिन्न त्रासदि यो में मृत व्यक्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पूर्व विधानसभा सदस्य जुगल किशोर बागरी, बृजेंद्र सिंह राठौर, सुश्री कलावती भूरिया, भूतपूर्व विधानसभा सद्स्य सर्व महेश जोशी, बाबूलाल जैन, रामेश्वर पटेल, रामराव कवडेती, कपूरचंद घुवारा, राजेंद्र सिंह बघेल बद्रीधर दीवान, श्रीमती करुणा शुक्ला, लक्ष्मीकांत शर्मा, ठाकुर मोहर सिंह, लक्ष्मण राम, शिवराज सिंह भैया, सिद्धू मल दल्लू मल खिलवानी, खेलन राम जांगड़े, डॉ शक्राजीत नायक, गुलाब सिंह, सोम प्रकाश गिरि, बलराम सिंह बैस,श्री बाला राम वर्मा को श्रधांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पूर्व सांसद सूरजभानु सोलंकी, रामेश्वर पाटीदार को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध भारतीय एथलीट मिल्खा सिंह, विख्यात पर्यावरणविद् सुंदरलाल बहुगुणा को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में हुए विस्फोट में शहीद जवान, विदिशा जिले के लाल पठार गांव में कुआं धसकने से मृत व्यक्ति तथा वैश्विक महामारी कोविड-19 की दूसरी लहर से मृत व्यक्तियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा के पहले दिन मिल्खा सिंह समेत दिवंगतों को श्रद्धांजलि और उनके सम्मान में कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

यह विधानसभा सचिवालय की होगी नई समिति

ओबीसी को साधने विधानसभा में भी अलग कमेटी गठित करेगी सरकार

भोपाल (एजेंसी)।

प्रदेश में अब अलग-अलग वर्गों को साधन की नई कवायद चल पड़ी है। हाल ही में केंद्र सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग को मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एडमिशन में 27 फीसदी आरक्षण का नियम लागू कर दिया है। इधर मप्र सरकार ने पहले ही प्रदेश में इस वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने का फरमान जारी कर दिया था। हालांकि यह मामला पिछले पांच वर्ष से भी अधिक समय से कोर्ट में विचाराधीन है। इस बीच अब इस बदलाव की आहट विधानसभा सचिवालय में भी पहुंच गई है। अब विधानसभा भी अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए अलग से समिति गठित करने जा रही है। यह विधानसभा सचिवालय की नई समिति होगी।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कल्याण संबंधी समिति से होगी अलग

दरअसल अभी विधानसभा सचिवालय द्वारा जो समिति गठित है, वह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी समिति के नाम से गठित है। इस समिति का मुख्य काम प्रदेश में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों की मॉनीटरिंग करना है। समिति में शामिल सदस्य प्रदेश के किसी भी हिस्से का दौरा कर सकते हैं और जमीनी हकीकत की पड़ताल कर सकते हैं। इतना ही नहीं यह सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों में किसी तरह के बदलाव को लेकर सुझाव भी दे सकती है। विधानसभा सत्र की अवधि में इन समितियों की बैठक होती है। वर्ष में एक बार यह समितियां अपना प्रतिवेदन विधानसभा के पटल पर भी रखती है, जिसमें उनके कार्यों का ब्यौरा होता है।

वर्तमान में जो समिति गठित है, उसका दायरा बेहद व्यापक है। जब भी अध्ययन या दौरे का कार्यक्रम बनता है तो समिति का पूरा फोकस अनुसूचित जाति-जनजाति की गतिविधियों और कार्यक्रमों पर केंद्रित हो जाता है। ऐसे में पिछड़ा वर्ग के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जमीनी पड़ताल ठीक से नहीं हो पाती। लिहाजा लंबे समय से इस समिति से पिछड़ा वर्ग को अलग करने पर विचार किया जा रहा था। अब जाकर इस संबंध में पहल की गई है और अब समिति को अलग करने का मसौदा तैयार कर लिया गया है।

आज पेश होगा अलग समिति बनाने का प्रस्ताव

मिले संकेतों के मुताबिक आज पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी समिति गठित करने का प्रस्ताव विधानसभा में पेश हो सकता है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार रामखेलावन पटेल इस संबंध में प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। यहां बता दें कि अजा- जजा कल्याण विभाग की अलग मंत्री सुश्री मीना सिंह हैं, वहीं पिछड़ा वर्ग कल्याण का भी अलग विभाग है, लेकिन विधानसभा की समिति एक ही है। अब अजा- जजा कल्याण संबंधी समिति अलग होगी और पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी समिति अलग होगी।

समिति के एक सदस्य की हो चुकी मौत, अब नए सिरे से सदस्य नामित होंगे

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी समिति की एक सदस्य श्रीमती कलावती भूरिया की बीते 24 अप्रैल को असमय मौत हो चुकी है। ऐसे में समिति में एक स्थान रिक्त पड़ा है। इस समिति में कुल 15 सदस्य हैं। फिलहाल एक स्थान रिक्त होने से अभी 14 सदस्य ही हैं। हरीशंकर खटीक इस समिति के सभापति हैं। अब नई समिति बनने के बाद दोनों ही समितियों में नए सिरे से सदस्य और समिति के सभापति नामित किए जाएंगे।

बारिश और बाढ़ में बह गई 207 करोड़ रुपए से अधिक की सड़कें और पुल

मंत्री भार्गव ने की नुकसान के आकलन की समीक्षा

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में ग्वालियर और चंबल संभाग में ही सबसे अधिक बारिश और बाढ़ के हालात बने हैं। प्रदेश का बड़ा हिस्सा ऐसा है, जहां भारी बारिश नहीं हुई है। उसके बाद भी लोक निर्माण विभाग को बड़ा नुकसान हुआ है। अभी मात्र 17 जिलों से ही नुकसान का जो आकलन किया गया है उस हिसाब से विभाग की 207 करोड़ रुपए से अधिक की लागत की सड़कें और पुल पानी में बह गए या फिर उन्हें नुकसान हुआ। अब विभाग को मरम्मत के लिए भारी - भरकम राशि की जरुरत है।

लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने बाढ़ से हुए नुकसान के आकलन की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने संधारण का कार्य तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए विभाग द्वारा कार्य-योजना तैयार कर ली गई है। भार्गव ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण नदियों के जल स्तर में तेजी से वृद्धि हुइ, इसके परिणाम स्वरूप ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में सड़क, पुल और पुलियों को काफ ी नुकसान हुआ है। लोक निर्माण विभाग द्वारा तेजी से संधारण कार्य शुरू किया गया हैं। श्योपुर से मुरैना सड़क मार्ग 24 घंटे में चालू कर दिया गया था। साथ ही श्योपुर से राजस्थान के पाली मार्ग को भी यातायात के लिए खोल दिया गया है। अभी इस मार्ग पर छोटे वाहनों की आवाजाही प्रारंभ की गई है। उन्होंने निर्देश दिए की जहां भी संधारण कार्य कराया जा रहा है वहां डायवर्सन तैयार किए जाए। प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग नीरज मण्डलोई ने बताया कि विभाग द्वारा प्रदेश के बाढ़ प्रभावित सभी 17 जिलों में सड़क, पुल-पुलियों में हुई क्षति का आकलन करा लिया गया है। आकलन के अनुसार मप्र सड़क विकास निगम के 67 करोड़ 66 लाख रुपए, ब्रिज के 75 करोड़ 5 लाख रुपए, लोक निर्माण विभाग 56 करोड़ तथा नेशनल हाइवे की सड़कों के संधारण पर 8 करोड़ 30 लाख रुपए की राशि का व्यय किया जाना प्रस्तावित है।

किसान-कल्याण कार्यक्रम में वर्चुअली सम्मिलित हुए सीएम

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित किसान-कल्याण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान वर्चुअली सम्मिलित हुए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसानों को मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ किसानों से बातचीत भी की। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में देश के लगभग 10 करोड़ किसान परिवारों को 19 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में हस्तांतरित की गई। योजना के पात्र लाभार्थी किसान परिवारों को प्रतिवर्ष तीन किस्त में 6,000 रुपए प्रदान किए जाते हैं। योजना में अब तक एक लाख 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन श्रद्धांजलि से पहले विश्व आदिवासी दिवस पर छुट्टी की मांग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में विधायकों ने गांधी प्रतिमा के समीप आदिवासी ढोल बजाकर प्रदेशन किया।

सोमवार को उज्जैन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह ने सावन के तीसरे सोमवार पर बाबा महाकाल के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की।

सीएम हाउस पर हुई भाजपा विधायक दल की बैठक

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा विधायक दल की बैठक सोमवार को देर शाम मुख्यमंत्री निवास में हुई जिसमें मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बाढ़ के पुराने एवं ताजा हालात की स्थिति, कोरोना की स्थिति और देश एवं प्रदेश की अन्य स्थितियों के बारें में विस्तार से चर्चा की है साथ ही मंगलवार को विधानसभा में आने वाले विधेयकों को लेकर कार्य विभाजन किया गया है।

सरकारी प्रवक्ता एवं गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि मुख्यमंत्री ने कई मामलों के बारे में जानकारी दी है जिसमें बाढ़ के अलावा कोरोना की स्थिति की जानकारी दी है। मंगलवार को विधानसभा में आने वाले कई विधेयकों जिनमें आबकारी एक्ट जिसमें अवैध शराब का कारोबार करने वालों को मृत्युदंड का प्रावधान है इस पर कार्यविभाजन किया गया इसके अलावा अवैध कालोनियों के वैध करने के बिल पर भी जो चर्चा होनी है इस पर पर भी कार्यविभाजन के बारें में चर्चा की गई है। कांग्रेस द्वारा आदिवासी दिवस को लेकर सोमवार को किए हंगामें को लेकर डॉ मिश्रा ने कहाकि सदन नियम कानून से चलता है आसंदी ने इसकों लेकर व्यवस्था भी दी थी कि शोक प्रस्ताव के बाद चर्चा करा ली जाएगी लेकिन कांग्रेस ने नही सुनी। नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ द्वारा लोकसभा में रहने और विधानसभा का अनुभव न होने की बात कहतें हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि अब तो उन्हें 30 माह का समय हो गया इतनें समय में में तो कोई भी सीख जाता है।

आबकारी एक्ट और अवैध कालोनियों को वैध करने के बिल पर कार्यविभाजन को लेकर हुई चर्चा

युवा कांग्रेस कल करेगी विधानसभा का घेराव

भोपाल । बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी, जासूसीकांड, विद्युत समस्याओं को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफमध्यप्रदेश युवा कांग्रेस 11 अगस्त को राजधानी भोपाल में विधानसभा का घेराव करेगी, सरकार विरोधी इस घेराव में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अलावरू एवं युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी शामिल होंगे। घेराव के बाद राज्यपाल को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। मप्र युवा कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने घेराव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 11 अगस्त को घेराव में भाग लेने आने वाले सभी कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय के समक्ष एकत्रित होंगे, 10 बजे एक जनसभा होगी जिसको कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण संबोधित करेंगे।

भिंड जिले के अटेर विकासखंड के बाढ़ प्रभावितों से मिले सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद भदौरिया

संकट की घड़ी में आपके साथ खड़ी है प्रदेश सरकार

भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने सोमवार को भिंड जिले के अटेर विकासखंड के बाढ़ प्रभावित ग्रामों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिले और उन्हें आश्वस्त किया कि संकट की घड़ी में सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि सभी बाढ़ प्रभावितों को खाद्यान्न के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी।

मंत्री भदौरिया नाव से मुकुटपुरा, नावली वृंदावन भी पहुंचे और प्रभावितों से मिले। उन्होंने चोम्हो, कोषण एवं चिलोंगा ग्राम पहुंच बाढ़ प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने ग्रामीण कहा कि हर पीड़ित को सरकार की ओर से सहायता मुहैया कराई जाएगी। जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं उनके लिएभी मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही पशुधन के नुकसान की भी सरकार भरपाई करेगी। मंत्री डॉ भदौरिया ने कहा कि शीघ्र ही सर्वे कार्य होगा जिसके अंतर्गत जिन परिवारों के घर बाढ़ में डूबे थे ऐसे परिवार को 5000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी साथ ही जिन लोगों के घर बाढ़ में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए उन्हें आवास की अंतरिम व्यवस्था हेतु सरकार की ओर से 6000 रुपए की राशि उनके खाते में भेजी जाएगी। मंत्री डॉ. भदौरिया ने बाढ़ प्रभावित गांवों में मूलभूत सुविधाए शीघ्र बहाल करने को अधिकारियों को दिए निर्देश।

राहत कार्य तत्परता से करने के दिए निर्देश

मंत्री डॉ भदौरिया ने अटेर में अधिकारियों की बैठक में विद्युत लाइन और ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द दुरुस्त कर विद्युत सप्लाई बहाल करने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने हर बाढ़ प्रभावित गांव में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ शिविर लगाकर बाढ़ प्रभावित परिवारों का स्वास्थ परीक्षण कर चिकित्सक व पैरा मेडीकल स्टाफ आवश्यक दवाओं का वितरण करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ से हुए फसलों सहित अन्य नुकसान के सर्वे का काम युद्ध स्तर पर पूरा करें। प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत दी जाए।

पटवारी को तत्काल हटाने के दिए निर्देश: मंत्री डॉ भदौरिया ने नावली वृंद्रावन में बाढ़ प्रभावितों से चर्चा के दौरान कार्य में लापरवाही बरतने पर नावली वृंद्रावन के पटवारी जितेंद्र सोनी को तत्काल हटाने के निर्देश दिए।

सिनेमाघरों में पंजाबी फिल्मों की धूम

एमी विर्क और सोनम बाजवा की फिल्म पुवाड़ा रिलीज होने के लिए तैयार

पिछले साल मार्च में महामारी शुरू होने के बाद से सिनेमाघरों का काफी ऊबड़-खाबड़ सफर रहा है, सिनेमा थोड़े समय के लिए बीच में खुले, लेकीन दूसरी लहर के कारण केवल भारत में फिर से बंद हो गए। अब अंत में ऐसा लगता है कि चीजें आगे की दिशा में फिल्म के लिए तैयार हैं, इस हफ्ते, आखिरकार डेढ़ साल बाद एक पंजाबी फिल्म , एमी विर्क और सोनम बाजवा स्टारर 'पुवाड़ा' बड़े पर्दे पर प्रदर्शित होने जा रही है। पुवाड़ा एक देहाती पंजाबी शब्द है जिसका अर्थ है पंगा / झगड़ा, और ट्रेलर देखने के बाद कोई भी देख सकता है कि यह पुवाड़ा कॉमेडी, मनोरंजन, रोमांस और पागलपन से भरा है। एमी कहते हैं कि, यह हर किसी के लिए दो घंटे देखकर, घर पर अपनी सारी चिंताओं को भूल जाने और सिनेमाघरों में हंसी-मज़ाक का मज़ा लेने के लिए एकदम सही फ़िल्म है! एमी और सोनम की यह चौथी फिल्म है और हर बार जब वे स्क्रीन पर आए हैं तो उन्होंने एक के बाद एक हिट दी हैं इसपर सोनम बाजवा कहती हैं कि, हमारी केमिस्ट्री नेचुरल है और स्क्रीन पर जादू चलाती है, हमारी पहली फिल्म से ही एमी और मुझे एक दूसरे के साथ हमेशा से सहज सहजता मिली है और यही दर्शकों को पसंद है। वे दोनों मुख्य जोड़ी के रूप में स्क्रीन पर चौथी बार जादू पैदा करने के लिए काफ़ी उत्सुक हैं! इस रोमांटिक जोड़ी में ट्वीस्ट या पुवाड़ा तब होता है जब एमी का किरदार अप्रत्याशित रूप से शादी से पीछे हट जाता है और उसके बाद उनके और उनके परिवारों के बीच हास्यपूर्ण झगड़े शुरू हो जाते हैं। जब मुख्य जोड़ी से पूछा गया कि वास्तव में में इस परेशानी का कारण क्या तब दोनो चुटकी बजाते हुए कहते है यह सरप्राइज़ है जिसका राज़ स्क्रीन पर ही खुलेगा! नवोदित रूपिंदर चहल द्वारा निर्देशित पुवाड़ा, ए एंड ए पिक्चर्स के अतुल भल्ला और ब्रैट फिल्म्स के पवन गिल, अनुराग सिंह, अमन गिल द्वारा निर्मित , ज़ी स्टूडियोस द्वारा इस गुरुवार, 12 अगस्त को दुनिया भर में रिलीज़ होगी।

काजल अग्रवाल

ने शुरू की फिल्म उमा की शूटिंग

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने अपनी आगामी हिंदी फिल्म उमा की शूटिंग शनिवार को पूरी कर ली। उन्होंने एक बयान जारी कर इस बारे में जानकारी दी। फिल्म का निर्देशन तथागत सिंह जबकि निर्माण अभिषेक घोष (एवीएमए मीडिया) तथा मंत्रराज पालिवाल (मिराज ग्रुप) ने किया है। अभिनेत्री ने एक बयान में कहा, फिल्म के निर्देशक तथागत सिंह, निर्माता अभिषेक घोष और सभी कलाकारों व तकनीशियनों का साथ शानदार रहा। कुछ किरदार हमेशा आपके साथ रह जाते हैं और उमा हमेशा मेरी यादों में मेरे साथ रहेगी। फिल्म में टीनू आनंद, हर्ष छाया, मेघना मलिक, श्रीस्वरा और गौरव शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म एक संयुक्त परिवार में होने वाली शादी की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें एक अजनबी उमा के आगमन के साथ काफी चीजें बदल जाती हैं।

आसीम रियाज

लेकर आए अपना बिग बॉस

बिग बॉस 13 में मशहूर होने के बाद आसीम रियाज लगातार कुछ ना कुछ नया कर रहे हैं। शो में आने के बाद आसीम ने सोशल मीडिया पर एक बड़ा फैन फॉलोइंग तैयार कर ली है। इन् दिनों वह म्यूजिक कंपोज करने और रैप सॉन्ग बनाने में भी व्यस्त हैं। रियाज ने प्रशंसकों के लिए एक नया ट्रैक तैयार किया है, उन्होंने रैप गाने का टीजर सोशल मीडिया पर जारी किया है। बिग बॉस के पूर्व प्रतियोगी ने अपने आगामी रैप गीत की पहली झलक साझा की, जिसका शीर्षक है बिग बॉस । वीडियो में आसिम काफी हैंडसम और डैशिंग दिख रहे हैं। उन्होंने सिर से पांव तक काले कपड़े पहने हैं। रियाज ने ब्लैक पैंट और शूज के साथ ब्लैक लेदर जैकेट पहना हुआ है। वीडियो में आसिम ने गाने के बोल के साथ रैप किया है, जब से बिग बॉस बना मैं, लाइफ इज गुड। वीडियो को साझा करते हुए, असीम रियाज ने ट्वीट किया है, #बिगबॉस का टीजर पेश कर रहा हूं। इससे पहले असीम ने अपने आगामी रैप गाने बिग बॉस का फर्स्ट लुक शेयर किया था। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने रेड हार्ट इमोजी शेयर किया था यह गाना 8 अगस्त को रिलीज होने की उम्मीद है।

सेट पर अचानक तबियत बिगड़ी नुसरत भरुचा की तबियत

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा के फैंस के लिए एक परेशान करने वाली खबर है। दरअसल, नुसरत की तबियत पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं चल रही है। लेकिन हाल ही में फिल्म के सेट पर उनकी तबियत ज्यादा बिगड़ जाने के कारण उन्हें सीधे अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। आपको बता दें कि इन दिनों नुसरत मुंबई में लव रंजन के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। वह चाहती थीं कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाने पर ही फिल्म का ऐलान किया जाए। नुसरत ने 23-24 दिन की शूटिंग भी की। हालाँकि, अब अचानक उनकी तबियत बिगड़ने के कारण फिल्म की शूटिंग को रोक दिया गया है। फिल्म के सेट पर चक्कर आने के कारण नुसरत को सीधे हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया। खबरों के मुताबिक, नुसरत के अधिकांश सीन अभी बाकी हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि नुसरत फिलहाल अस्पताल में भर्ती नहीं हैं। मिली जानकारी के मुताबिक डॉक्टरों ने नुसरत को कम से कम 15 दिन आराम करने की सलाह दी है और वह घर पर हैं। एक न्यूज़ वेबसाइट से बात करते हुए नुसरत ने कहा, डॉक्टरों का कहना है कि यह वर्टिगो अटैक था। शायद ज्यादा तनाव की वजह से चक्कर आया है। कोरोना महामारी ने हर किसी के शरीर पर इमोशनली और फिजिकली असर डाला है।। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने सोचा था कि एक-दो दिन में ठीक हो जाऊंगी लेकिन मेरी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। मैंने सेट पर इसकी सूचना दी। उन्होंने मुझे हिंदुजा अस्पताल ले जाने का फैसला किया। जब तक मैं वहां पहुंचीं मेरी हालत और ज्यादा खराब हो गई। मुझे ऊपर ले जाने के लिए व्हीलचेयर की जरूरत पड़ी। मेरा ब्लड प्रेशर गिरकर 65/55 हो गया था।' नुसरत ने आगे बताया कि 'मेरे मम्मी-पापा अस्पताल पहुंच चुके थे। पिछले 6-7 दिन बहुत खराब थे। मुझे अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया। मैं घर पर दवा ले रही हूं। अभी मैं ठीक हूं। मैंने 7 दिन की छुट्टी ली है। डॉक्टर ने 15 दिनों के लिए आराम की सलाह दी है।' काम की बात करें तो नुसरत आखिरी बार नेटफ्लिक्स की अजीब दास्तान में नजर आई थीं। वह जल्द ही राम सेतु, हुड़दंग और छोरी फिल्मों में नजर आएंगी।

अपनी हॉटनेस से आपकी नींद उड़ाकर

हम चाहे जितना भी छुपाने की कोशिश करें लेकिन एक उम्र के बाद अधिकतर लोग पॉर्न से जुड़ी दुनिया से ताल्लुख रखते हैं। जिस तरह से पॉर्न इंडस्ट्री दिन दुगुनी और रात चौगुनी तरक्की कर रही है उससे यह माना जा सकता है कि दुनिया के 99 प्रतिशत लोग पॉर्न जाल में उलझे हुए हैं। भारत में पॉर्न वेब साइट, पॉर्नोग्राफी जैसी चीजें बैन हैं लेकिन फिर भी लोग अलग-अलग माध्यम ने कंटेंट जुटाकर इसे देखते हैं। सनी लियोन को गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च भारत में किया गया था, इस बात से आप अंदाजा लगा सकते हैं। सनी लियोन, मिया खलीफा जैसी पॉर्न ऐक्ट्रेस रातों रात कुछ वीडियो से दुनियाभर में मशहूर हो गयीं। इनके अलावा भी इस इंडस्ट्री में बहुत से कलाकार है जो अपनी अदाओं और एक्ट के दम पर आपको पॉर्न फिल्म से बांध लेते हैं। आज हम आपको इनसे भी ज्यादा तेज और हॉट पॉर्न एक्ट्रेस के बारे में बताएंगे जिन्हें अगर रात के समय इंसान देखते तो वह कुछ वक्त के लिए बेचैन हो सकता हैं।

शीर्ष 5 सबसे हॉट पोर्न अभिनेत्री के नाम

टेसा लेन

अमेरिका की पॉर्न एक्ट्रेस टेसा लेन की उम्र 32 साल है। लगभग एक दशक से ज्यादा समय से टेसा लेन पॉर्न इंडस्ट्री में काम कर रही है। इनकी पहली फिल्म में यह एक पज्जा बॉय से पिज्जा मंगवाती है और उन्हें पिज्जा बॉय काफी अट्रेक्ट करता है। ये वीडियो उनकी काफी मशहूर हुई थी। पॉर्न की दुनिया में टेसा लेन टॉप एक्ट्रेस है।

लिह गोटी

संयुक्त राज्य अमेरिका के टेक्सास की रहने वाली लिह गोटी ने बहुत ही कम उम्र में पॉर्न इंडस्ट्री में अपनी शानदार जगह बनाई है।

मिया मालकोवा

मिया माल्कोवा एक अमेरिकी अश्लील अभिनेत्री और ट्विच स्ट्रीमर हैं।

मिया चबी है लेकिन उनकी खूबसूरती आपको बेचैन कर सकती है।

वयस्क उद्योग में प्रवेश करने से पहले, माल्कोवा ने 16 साल की उम्र में मैकडॉनल्ड्स में अपनी पहली नौकरी पाने के लिए खाद्य सेवा उद्योग में काम किया।

फिर सप्ताहांत तक सिज़लर में काम करते हुए उन्होंने अपना पहला दृश्य शूट किया। मालकोवा दिसंबर 2012 में ट्विस्टिस ट्रीट ऑफ द मंथ और

2013 की ट्विस्टिस ट्रीट ऑफ द ईयर थीं।

मिया मेलानो

भारतीयों की सबसे पसंदीदा एक्ट्रेल मिया मेलानो एडल्ट इंडस्ट्री में काफी एक्टिव है।

पॉर्न बनाने से पहले वह सिएटल के एक बढ़िया डाइनिंग रेस्तरां में वेट्रेस के रूप में काम कर रही थीं।

पिछले पांच से छ सालों में मिया ने काफी नाम का कमाया है।

मिशा ब्रूक्स

स्लिम और सुंदर 5% 2 श्यामला नॉकआउट

मिशा ब्रूक्स का जन्म 12 दिसंबर 1990 को यूटा में हुआ था। वह फ्रेंच और अमेरिकी मूल की हैं। मिशा एक सैन्य परिवार में पली-बढ़ी। ब्रूक्स 12 साल की उम्र तक यूटा में रहीं। हाई स्कूल के लिए मिशा टेक्सास चली गयी। ब्रूक्स फिर तीसरी बार जापान चले गई।

फिलहाल खेल पर ही ध्यान देना चाहता हूं, बायोपिक के लिए वक्त नहीं : नीरज चोपड़ा

टोक्यो, 9 अगस्त (एजेंसियां)। नीरज चोपड़ा, जिन्होंने शनिवार को ओलंपिक में एथलेटिक्स में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, अब अगले साल होने वाले एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप पर नजरें गड़ाए हुए हैं। उनका कहना है कि फिलहाल उनका ध्यान सिर्फ और सिर्फ खेल पर है, इसके बीच में बायोपिक या किसी अन्य चीज का कोई स्थान नहीं। स्टार भारतीय एथलीट के साथ एक साक्षात्कार के अंश:

■ **भारत का पहला ट्रैक एंड फील्ड मेडलिस्ट बनना कैसा लगता है?**

भारत के लिए ट्रैक एंड फील्ड में पहला मेडल जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है, वो भी गोल्ड। यह बहुत ही शानदार शुरूआत रही है। इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। वह बहुत गर्व का क्षण था जब हमारे देश का राष्ट्रगान बज रहा था और मैं स्वर्ण पदक के साथ पोडियम पर खड़ा था। मुझे लगता है कि भारतीय एथलेटिक्स के लिए भविष्य बहुत अच्छा होगा।

■ **आपने अपना पदक मिल्खा सिंह को समर्पित किया। कोई खास वजह?**

इसके पीछे वजह ये थी कि मैं मिल्खा सिंह के ढेर सारे वीडियो देखा करता था। उनका कहना था कि हमारे देश का कोई भी व्यक्ति जो ओलंपिक में जाता था और पदक की दौड़ में एक छोटे से अंतर से पीछे रह जाता था, उसे जाना चाहिए और पदक प्राप्त करना चाहिए। जब राष्ट्रगान बजता है, तो ऐसा कुछ भी और नहीं होता। जब मैंने गोल्ड जीता और राष्ट्रगान बज रहा था तो मुझे ऐसा ही लगा। मैं दुखी था कि वह अब हमारे बीच नहीं है। लेकिन मेरे मन में उनकी लंबे समय से चली आ रही इच्छा मेरे द्वारा पूरी कर दी गई। वह जहां भी हैं, उनका सपना अब पूरा हो गया है। पीटी ऊषा मैम जैसे अन्य एथलीट, जो चौथे स्थान पर आए और पदक से चूक गए, वे बहुत खुश हुए होंगे। उनकी लंबी इच्छा पूरी हुई।

■ **शनिवार को फाइनल के दौरान, प्रत्येक थ्रो के बाद आपके दिमाग में क्या चल रहा था? आपको कब लगने लगा कि आप वाकई में गोल्ड मेडल जीत सकते हैं?**

जब फाइनल चल रहा था तो मेरे दिमाग में एक ही ख्याल था। वह यह था कि मुझे हर थ्रो पर अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। शरीर ठीक था। मुझे लगा कि मैं आज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। लेकिन हमारा खेल, भाला फेंक एक बहुत ही तकनीकी खेल है। छोटी सी भी समस्या हो तो दूरियों में फर्क पड़ता है। राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं तोड़ने या अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोई चिंता नहीं है। लेकिन ओलंपिक में गोल्ड जीतने का अपना ही अलग ही मजा होता है। जब आखिरी थ्रो सभी के लिए किया गया तो मुझे लगा कि सोना मेरा है क्योंकि उस समय तक (मेरा) ध्यान केवल फाइनल पर था।

■ **पिछले 3 साल का सफर कैसा रहा? आप चोट के कारण 2019 में नहीं खेल पाए और फिर महामारी की चपेट में आ गए। उन वर्षों और उस समय आपके द्वारा किए गए प्रयासों को देखने के लिए अब कैसा महसूस होता है?**

मुझे लगता है कि इस स्वर्ण पदक ने सब कुछ ठीक कर दिया है - 2019 में चोट के कारण और 2020 में कोरोना के कारण हुए नुकसान की इसने भरपाई कर दी है। ओलंपिक पदक, खासकर स्वर्ण, हर एथलीट का सपना होता है। मुझे लगता है कि जो समय बीच में आया, उससे मुझे कोई ऐतराज नहीं है। मैंने स्वर्ण पदक पाने के लिए जिस समय तक धीरज धराया, उससे मैं बेहद संतुष्ट महसूस कर रहा हूं।

■ **शनिवार को होने वाले फाइनल से पहले आपके कोच क्लाउस बाटरेनिट्ज ने आपको क्या बताया? क्या आपने पहले किसी से बात की थी? आपका परिवार या दोस्त?**

फाइनल से पहले, क्लाउस ने मुझे पहले थ्रो को बहुत अच्छी तरह से करने की कोशिश करने के लिए कहा था, ठीक वैसे ही जैसे मैंने क्वालीफिकेशन राउंड में किया था। मैंने अपने छोटे चाचा भीम चोपड़ा से बात की। मैंने अपने सीनियर जयवीर से भी बात की। मैं ज्यादा नहीं बोलता, बस छोटी-छोटी बातें करता हूं। मैंने जिस किसी से भी बात की, उसे लगा कि कुछ अच्छा होगा और मुझे पूरे मन से प्रतिस्पर्धा करने के लिए कहा। जब मैंने गोल्ड जीता तो सभी खुश हो गए।

■ **आप 2 साल से क्लाउस के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं। ओलंपिक पोडियम के शीर्ष पर आपकी यात्रा में उन्होंने कितनी भूमिका निभाई है? वह किस प्रकार उवे होन से भिन्न था?**

मैं 2019 से क्लाउस के साथ प्रशिक्षण ले रहा हूं। उन्होंने मुझे पदक जीतने में बहुत योगदान दिया है। उनकी प्रशिक्षण योजना और तकनीक मुझे बहुत अच्छी लगती है। मैं 2018 में उवे के साथ था। मैंने अपनी ताकत सुधारने के लिए उनके साथ बहुत काम किया। तकनीकी पक्ष पर, हां, वह तकनीक को व्यक्त करने में थोड़ा अलग था। यह मेरे लिए थोड़ा अलग लगा। जब मैंने क्लॉस के साथ काम करना शुरू किया, तो तकनीक के माध्यम से बात करने का उनका तरीका मेरे अनुकूल था। हर कोच का काम करने का अपना तरीका होता है और आपको उनसे कुछ नया सीखने को मिलता है। मैं उवे सर को %थैंक यू% कहना चाहता हूं। क्लाउस सर के लिए, उन्होंने मुझे पूरे समर्पण के साथ प्रशिक्षित किया और नतीजा सामने है।

यह सुनिश्चित करने का समय है कि अगले ओलंपिक पदक के लिए चार दशक तक इंतजार नहीं करना पड़े

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया और पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीत लगभग चार दशक का सूखा खत्म किया। गत गुरूवार को मनप्रीत सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने जर्मनी को 5-4 से हराकर हॉकी में कांस्य पदक जीता जो टीम का 41 वर्षों बाद ओलंपिक में पहला पदक है।

इसके एक दिन बाद ही रानी रामपाल के नेतृत्व वाली महिला टीम को ग्रेट ब्रिटेन के हाथों 3-2 से हार झेलनी पड़ी और वह पदक से मामूली अंतर से चूक गई।

ओलंपिक के शुरू होने पर विशेषज्ञों का मानना था कि पुरुष टीम आसानी से क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी और इसके बाद इस बात पर निर्भर करेगा कि उसे अंतिम-8 में किस टीम के खिलाफ खेलना है। हॉकी के भारी प्रशंसकों को भी यह विश्वास नहीं था कि महिला और पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और पुरुष टीम कांस्य पदक लाएगी।

टोक्यो ओलंपिक का समापन हो चुका है और अब समय है कि इस सफलता को आगे भी जारी रखा जाएगा। 1984 ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले जोअक्कीइम कारवाल्हो ने आईएएनएस से कहा, ऐसी चार चीजें हैं जिसपर सफलता हासिल करने के लिए जल्द ही ध्यान देने की जरूरत है। पहला खिलाड़ियों की सप्लाई लाइन में सुधार करना, सब जूनियर लेवल से ही राष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग सुविधा देना और एक्सपोजर ट्रिप देना। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया को घरेलू इंफ्रास्ट्रकचर को मजबूत करने की भी जरूरत है। उन्हें राष्ट्रीय टीम को मिलने वाली सुविधा देनी होगी जिससे हमारे पास अच्छे खिलाड़ियों का मेल रहे। उनके अनुसार, हॉकी इंडिया को निजी पार्टियों द्वारा संचालित अखिल भारतीय टूनार्मेंट संरचना को मजबूत करना चाहिए।

कारवाल्हो ने कहा, हम सिर्फ साई और खेल मंत्रालय पर ही फंड के लिए क्यों निर्भर हैं। खेल को काफी ध्यान मिल रहा और अब जरूरत है कि हम खेलों में पैसा लगाएं। एक चीज स्पष्ट है कि खिलाड़ियों ने अपना काम बखूबी किया है। यह अब प्रशासकों पर है कि वे चीजों को सुधारें और यह सुनिश्चित करें कि ओलंपिक में अगले पदक के लिए और चार दशकों का इंतजार नहीं करना पड़े।

हॉकी में मिला कांस्य, स्वर्ण के बराबर है : संदीप सिंह

हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि टोक्यो ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मिला कांस्य पदक स्वर्ण लाने से कम नहीं है क्योंकि इससे लंबे समय की उम्मीद पूरी हुई है। हरियाणा सरकार 13 अगस्त को अपने एथलीटों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करेगी जिसमें टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाले और बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों का सम्मान किया जाएगा। संदीप ने कहा, हम 13 अगस्त को एक कार्यक्रम आयोजित करेंगे जिसमें हमारे राज्य के एथलीट जो ओलंपिक में गए थे उनका ईनामी राशि और पद से सम्मान किया जाएगा। हरियाणा ने पहले ही स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा को छह करोड़ रूपये, रजत पदक जीतने वाले पहलवान रवि दहिया को चार करोड़ रूपये और कांस्य पदक विजेता पुरुष हॉकी टीम में शामिल राज्य के खिलाड़ियों को ढाई-ढाई करोड़ रूपये देने का ऐलान किया था।

बजरंग ने एयरपोर्ट पर प्रशंसकों से मास्क पहनने और सुरक्षित रहने की अपील की

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में लैंड करने के बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले पहलवान बजरंग पुनिया ने घुटनों के बल झुककर ग्राउंड को चूमते हुए कहा कि मैंने आपसे वादा किया था कि खाली हाथ नहीं आऊंगा। एयरपोर्ट पर मौजूद प्रशंसकों से बजरंग ने कोविड दिशानिर्देश का पालन करने का आग्रह किया। बजरंग ने 65 किग्रा के कांस्य पदक मुकाबले में कजाखस्तान के दाउलेत नियाजबेकोव को हराकरा देश के लिए ओलंपिक में चौथा पदक जीता था। बजरंग ने नीरज के भाला फेंक इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने से कुछ देर पहले ही कांस्य पदक अपने नाम किया था। बजरंग ने यहां पहुंचने पर आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मुझे नहीं पता क्या कहूं, जो प्यार लोग हमें दे रहे हैं वो उम्मीद से परे है। मैं सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं और चूंकि कोरोना अभी गया नहीं है इसलिए इन सभी लोगों से ख्याल रखने का आग्रह करता हूं। लोग सरकार के दिशानिर्देश का पालन करें और मास्क पहनें। उन्होंने कहा, हम अभी अशोका होटल जा रहे हैं जहां हमें खेल मंत्री अनुराग ठाकुर मिलेंगे। इसके बाद शायद हम अपने-अपने घर जाएं। इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर ओलंपिक पदक विजेताओं के सम्मान के लिए भारी संख्या में लोग एकत्र हुए। इस साल का ओलंपिक कोरोना प्रतिबंधो के बीच दर्शकों के बिना आयोजित किया गया था। भारत ने एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल सात पदक अपने नाम कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

संक्षिप्त समाचार

टोक्यो ओलंपिक में रूसी एथलीटों का प्रदर्शन बड़ी उपलब्धि : आरओसी अध्यक्ष

रूसी ओलंपिक समिति (आरओसी) के अध्यक्ष स्टानिस्लाव पोजन्याकोव ने टोक्यो ओलंपिक खेलों 2020 में रूसी एथलीटों के प्रदर्शन को बड़ी उपलब्धि करार दिया है। पोजन्याकोव ने यहां एक बयान में कहा, हम भावुकता के साथ टोक्यो छोड़ रहे हैं। हम जब यहां आ रहे थे तब कुछ चिंता थी, क्योंकि हमें नहीं पता था कि ये खेल हमारे लिए कैसे होंगे, लेकिन आज ये हमारी टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में समाप्त हुए। उन्होंने कहा कि एथेंस ओलंपिक 2004 के बाद से रूसी एथलीटों ने टोक्यो 2020 में ओवरऑल सर्वाधिक 71 पदक जीते हैं।

पूर्व भारतीय मिडफील्डर कृष्णाजी राव का निधन, एआईएफएफ ने जताया शोक

भारत फुटबॉल टीम के पूर्व मिडफील्डर तथा कोच कृष्णाजी राव का यहां रविवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। उन्होंने 1966 में बैंकाक में एशियाई खेलों में सीनियर टीम में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। 1967 में रंगून (अब यांगून) में एशियाई कप क्वालीफायर और 1968 में कुआलालंपुर में मर्डेका कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जिसमें उन्होंने कुल चार मैच खेले। उन्होंने 2000 में इंग्लैंड के दौरे के दौरान भारतीय टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया। इस दौरे के साथ-साथ वह 2001 में मर्डेका कप, प्री-वर्ल्ड कप और सहारा मिलेनियम कप में टीम के तकनीकी निदेशक थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने महासंघ की ओर से कृष्णाजी राव के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, यह सुनकर वाकई बहुत दुख हुआ कि राव अब हमारे बीच नहीं रहे। भारतीय फुटबॉल में उनका अमूल्य योगदान हमेशा हमारे साथ रहेगा। मैं उनके निधन पर दुख व्यक्त करता हूं।

रूस में अंतर्राष्ट्रीय सैन्य खेलों 2021 में भाग लेगा भारतीय सैन्य दल

रूस में 22 अगस्त से चार सितंबर तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सैन्य खेलों 2021 में भारतीय सैन्य दल भाग लेगा। सैन्य दल में 101 सदस्य रूस जाएंगे। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की ओर से सोमवार को जारी विज्ञप्ति के मुताबिक सैन्य दल आर्मी स्काउट मास्टर्स प्रतियोगिता (एएसएमसी), एल्ब्रस रिंग, पोलर स्टार, स्निपर फ्रंटियर और सेफ रूट गेम्स में भाग लेगा। इसके अलावा वह वह विभिन्न प्रतियोगिताओं में उच्च ऊंचाई वाले इलाके में विभिन्न अभ्यास, बर्फ में संचालन, स्नाइपर कार्रवाई और बाधाग्रस्त इलाके में युद्ध के दौरान इंजीनियरिंग कौशल का प्रदर्शन करेगा। दल ओपन वाटर और फाल्कन हंटिंग गेम्स के लिए दो पर्यवेक्षकों का भी योगदान देगा, जिसमें भाग लेने वाली टीमों द्वारा पोंटून ब्रिज बिछाने और यूएवी चालक दल के कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। तीन स्तरों की स्क्रीनिंग के बाद विभिन्न सर्वश्रेष्ठ दलों में से भारतीय सैन्य दल को चुना गया है।

मिठाई का डिब्बा लिए नीरज चोपड़ा का इंतजार कर रहीं उनकी मां

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक हासिल करने वाले नीरज चोपड़ा का उसके माता-पिता बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नीरज की मां ने उसके लिए मिठाई का एक डिब्बा तैयार करके रखा हुआ है, मगर अभी तक यह नहीं पता है कि इसमें कौन सी मिठाई है। नीरज की सरोज देवी मां का कहना है कि जब उसे उनका बेटा खोलेगा, तभी पता चलेगा कि इसमें कौन सी मिठाई है। चोपड़ा, टोक्यो ओलंपिक में भारतीय दल के अन्य सदस्यों के साथ, सोमवार शाम नई दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंचे। टोक्यो ओलंपिक में सात पदक विजेताओं को शाम को चाणक्यपुरी के

अशोक होटल में एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा। चोपड़ा के पिता सतीश कुमार ने कहा, हम बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं। हम बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। बढ़िया लग रहा है। भविष्य की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक की संभावना के बारे में पूछे जाने पर, कुमार सकारात्मक दिखे। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से. हमें ओलंपिक में दो और पदकों की उम्मीदें हैं।

चोपड़ा की मां सरोज देवी ने बताया कि वह अपने बेटे के लिए मिठाई का डिब्बा लेकर आई हैं। जब डिब्बा खोला जाएगा, तब मिठाई सामने आएगी। उन्होंने आगे कहा कि चोपड़ा को चूरमा (गेहूं की रोटी, गुड़ और घी को मिलाकर बनाया जाता है) पसंद है। सरोज ने हंसते हुए कहा, जब वो घर आएंगे तो हम सब मिलकर चूरमा खाएंगे। यह पूछे जाने पर कि 23 वर्षीय चोपड़ा से मिलने पर उनके पहले शब्द क्या होंगे, तो इस पर कुमार ने कहा, यही कहूंगा, शाबाश बेटा। तूने बहुत अच्छा किया। चोपड़ा ने शनिवार को टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक (जेवलिन थ्रो) स्पर्धा में 87.58 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन राउंड में चोपड़ा ने 86.65 मीटर फेंक कर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

बहन की मौत की खबर सुनकर रो पड़ीं ओलंपियन धनलक्ष्मी

चेन्नई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ओलंपिक टीम की आरक्षित सदस्य धनलक्ष्मी को अपनी बहन की बीमारी के बाद मृत्यु की सूचना नहीं दी गई थी, क्योंकि उनका परिवार चाहता था कि वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी टीम की साथी शुभा वेंकटरमन के साथ तिरुचिरापल्ली पहुंचने पर उन्हें अपनी बहन के बारे में उसे सूचित किया गया। बहन ने उनके करियर में बड़ी सहायता की थीं। धनलक्ष्मी घुटनों के बल बैठ गईं और चेहरा हाथों में लेकर रो पड़ीं।

धनलक्ष्मी ने राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस), पटियाला में पी.टी. 200 मीटर हीट्स में उषा का रिकॉर्ड और 100 मीटर में दुती चंद के खिलाफ गोल्ड भी जीता था। 100 मीटर में, उन्होंने 11.39 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था, और 200 मीटर में, उसने 23.26 सेकंड के समय के साथ एक नया रिकॉर्ड बनाया, जिसने 23 साल पहले उषा के 23.30 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

धनलक्ष्मी शुरुआती दिनों में खो-खो खिलाड़ी थीं और स्कूल में एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक ने उन्हें स्प्रिंट पर स्विच करने का सुझाव दिया और उन्होंने भारतीय रेलवे एथलीट, मणिकंद अरुमुगम के मातहत प्रशिक्षण लिया है। स्प्रिंटर ने अपने पिता शेखर को अपने जीवन में जल्द ही खो दिया था और यह उनकी मां उषा, एक किसान थीं, जिन्होंने पाला था।

ओलंपिक में कांसे से चूकने के बावजूद उज्ज्वल है भारतीय महिला हॉकी टीम का भविष्य : प्रीतम सिवाच

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसी)। रानी रामपाल की अगुआई में भारतीय महिला हॉकी टीम भले ही टोक्यो ओलंपिक में कांसे से चूक चौथे स्थान पर रही लेकिन उसने देश ही नहीं बल्कि दुनिया के हॉकी प्रेमियों का दिल जीत लिया। भारत की महिला हॉकी टीम ने दिखाया कि उसे दुनिया की शीर्ष टीमों को टक्कर देना आता है। भारत की ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही इस टीम में कप्तान रानी रामपाल और उपकप्तान सविता पूनिया (दोनों साई में) और उदिता (हरियाणा खेल विभाग) को छोड़ को बाकी सभी खिलाड़ी भारतीय रेलवे की हैं।

भारत की पूर्व कप्तान और अपने जमाने की बेहतरीन स्ट्राइकन प्रीतम सिवाच के लिए यह बेहद फख्र की बात है कि वह रेलवे की कोच तो हैं ही इनमें से नेहा गोयल, निशा वारसी और शर्मिला कुमारी उनकी सोनीपत हॉकी अकेदमी की है। प्रीतम के लिए यह भी सुखद है कि ओलंपिक में शिरकत करने वालीभारत की महिला हॉकी टीम में में नौ हरियाणा की हैं।

प्रीतम सिवाच कहती हैं, %एक जमाना वह था कि जब ओलंपिक में हिन्दुस्तान की पहचान

- मैदानी गोल, पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने व बचाने पर मेहनत करनी होगी
- गोलरक्षक सविता, स्ट्राइकर वंदना ,नवनीत व नेहा का प्रदर्शन बेहतरीन
- पेरिस ओलंपिक के लिए अभी से तैयारी शुरू करने की जरूरत
- हॉकी में जमीनी स्तर पर और सुविधाओं और मेहनत की जरूरत है

बस हॉकी ही हुआ करती थी। हमारी भारतीय महिला हॉकी टीम भले ही टोक्यो ओलंपिक में कांसे से चूक गई लेकिन टीम का भविष्य उज्जवल है। भारत की लड़कियां टीम प्रयास से इस मुकाम तक पहुंची। हमारी टीम का किस्मत ने कुछ साथ दिया तो वह जरूर कांसा जीतती। मेहनत के साथ किस्मत का साथ भी बेशक जरूरी होता है। अब अगले ओलंपिक खेल तीन बरस बाद यानी 2024 में पेरिस में हैं। हमें अभी से ही पेरिस ओलंपिक की तैयारी करने शुरू कर देने की जरूरत है। हमें और मैदानी गोल करने के साथ पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने के साथ बचाव पर बहुत मेहनत करनी होगी। टोक्यो ओलंपिक में अनुभवी मुस्तैद गोलरक्षक सविता पूनिया, स्ट्राइकर वंदना कटारिया और नवनीत कौर के साथ आक्रामक मिडफील्डर नेहा गोयल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। हरियाणा का राज्य की महिला हॉकी खिलाडियों को इनाम और सम्मान देना बेशक सराहनीय है लेकिन हॉकी में जमीनी स्तर पर और सुविधाओं और मेहनत की जरूरत है।

वह कहती हैं, %भारतीय हॉकी महिला हॉकी टीम अपने ओलंपिक में कुल अपने तीसरे सही मायनों प्रयास में पहली बार कांसे के लिए खेली। ऑस्ट्रेलिया को ओलंपिक के क्वॉर्टर फाइनल में हराने, सेमीफाइनल में अर्जेंटीना और कांसे के लिए ब्रिटेन से बेहद कड़े मुकाबले में हारने के बावजूद भारतीय महिला हॉकी के लिए एक नया मानदंड साबित कायम किया है। इससे भारतीय महिला हॉकी टीम की जिम्मेदारी बढ़ गई है। शुरू के तीन मैच हारने के बाद हमारी भारतीय टीम को दबाव को दूर रख कर खुल कर अपनी आक्रामक खेलने का लाभ मिला। भारत की खिलाड़ियों में वंदना, नवनीत, नेहा और शर्मिला कुमारी ने पेनल्टी कॉर्नर पर खासतौर पर रिबाउंड पर लौटती गेंद पर गोल करने की कला खूब दिखाई। महिला विश्व कप में क्वॉर्टर में पहुंचने के बाद भारतीय महिला टीम ने ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर सेमीफाइनल में स्थान बनाने के साथ चौथा स्थान हासिल कर बताया की बराबर टीम का खेल बेहतर हो रहा है।